दैनिक प्रातः कालीन भारत सरकार से रजिस्टर्ड हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 03 अंक :- 80 मुरादाबाद, 09 July 2023 (Sunday) पृष्ठ :- 12 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करें:-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999 में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दम में

पीएम मोदी बोले- BRS हो या कांग्रेस, दोनों ही तेलंगाना के लिए घातक, भाजपा करेगी इनका पत्ता साफ

पीएम मोदी की वारंगल में होने वाली जनसभा को लेकर तेलंगाना पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। वारंगल के पुलिस आयुक्त एवी रंगनाथ ने कहा, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर 3500 से अधिक पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज तेलंगाना के वारंगल के दौरे पर हैं। उन्होंने सुबह तेलंगाना के वारंगल पहुंचने के बाद भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने राज्य के लिए लगभग 6,100 करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इसके बाद पीएम ने सभा में मौजूद जनता को संबोधित किया। पीएम ने कहा कि आज जब भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बना है, तो उसमें तेलंगाना के लोगों की बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा, ''आज जब पूरी दुनिया भारत में निवेश के लिए आ रही है, विकसित भारत को लेकर इतना उत्साह है, तब तेलंगाना के सामने अवसर ही अवसर हैं।'' मोदी ने कहा कि आज हर प्रकार से बुनियादी अवसंरचना के लिए पहले से कई गुना तेजी से काम हो रहा है।

तेलंगाना की जनता से क्या बोले पीएम मोदी?

मोदी ने कहा कि आज हर प्रकार से बुनियादी अवसंरचना के लिए पहले से कई गुना तेजी से काम हो रहा है और पूरे देश में राजमार्गों के साथ ही आर्थिक व औद्योगिक गलियारों का जाल बिछाया जा रहा है। उन्होंने कहा, ''आज का नया भारत, युवा भारत है और वह ऊर्जा से भरा हुआ है। 21वीं सदी के इस तीसरे दशक में हमारे पास ये स्वर्णिम समय आया है। हमें इस समय के हर सेकेंड का पूरा इस्तेमाल करना है। देश का कोई भी कोना, तेज विकास की किसी भी संभावना से पीछे नहीं रहना चाहिए।''

पीएम मोदी की मौजूदगी में गडकरी ने कही ये बात

इससे पहले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने अपने संबोधन में कहा कि मोदी ने देश में बुनियादी ढांचे के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में अब तक 1.10 लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाएं या तो पूरी हो चुकी हैं या निर्माणाधीन हैं या शुरू हो चुकी हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि 2024 के अंत तक तेलंगाना में दो लाख करोड़ रुपये की परियोजनाएं होंगी।''प्रधानमंत्री ने जिन परियोजनाओं की आधारशीला रखी, उनमें लगभग 5,550 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित की जाने वाली 176 किलोमीटर लंबी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं प्रमुख हैं। इन परियोजनाओं में नागपुर-विजयवाड़ा कॉरिडोर का 108 किलोमीटर लंबा मंचेरियल-वारंगल खंड में शामिल है। इस खंड से मंचेरियल और वारंगल के बीच की दूरी में लगभग 34 किलोमीटर की कमी आएगी, जिससे यात्रा अवधि घट जाएगी और एनएच-44 तथा एनएच-65 पर यातायात की आवाजाही और बेहतर होगी।

तेलंगाना को कौन-कौन सी परियोजनाएं सौंपीं?

इस साल चुनावी राज्य तेलंगाना की पीएम मोदी की यह तीसरी यात्रा है। इससे पहले उन्होंने जनवरी-अप्रैल में भी तेलंगाना का दौरा किया था। प्रधानमंत्री ने इस दौरे में तेलंगाना में 500 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित होने वाली रेलवे वैगन विनिर्माण इकाई, काजीपेट की आधारशिला रखी।

इस बीच पीएम मोदी की वारंगल में होने वाली जनसभा को लेकर तेलंगाना पुलिस ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है।

वारंगल के पुलिस आयुक्त एवी रंगनाथ ने कहा, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर 3500 से अधिक पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं।

कहीं बैलेट बॉक्स को तालाब में फेंका तो कहीं लगाई आग, हिंसा में अब तक 12 लोगों की मौत

बंगाल में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए व्यापक हिंसा के बीच शनिवार सुबह सात बजे से मतदान जारी है। ग्राम पंचायत, जिला परिषद व पंचायत समिति की करीब 64,000 सीटों के लिए मतदान शुरू होते ही विभिन्न जिलों से भारी हिंसा और बूथ लूटने जैसी खबरें लगातार सामने आ रही है। बंगाल में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए व्यापक हिंसा के बीच शनिवार सुबह सात बजे मतदान शुरू हुआ। ग्राम पंचायत, जिला परिषद व पंचायत समिति की करीब 64,000 सीटों के लिए मतदान शुरू होते ही विभिन्न जिलों से हिंसा और बूथ लूटने जैसी खबरें लगातार सामने आ रही है। कहीं बैलेट बॉक्स को तालाब में फेंक दिया गया तो कहीं मतपेटियों में आग लगा दी गई। विपक्षी दलों का आरोप है कि राज्य सरकार ने केंद्रीय बलों को हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में तेनात नहीं किया। कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश पर चुनाव के लिए 822 कंपनी केंद्रीय बलों की तैनाती के बावजूद मतदान शुरू होने से पहले बीती रात से लेकर अब तक हिंसा में 12 लोगों की मौत की खबर है, जबकि दर्जनों लोग बम-गोली से जख्मी हुए हैं। मुर्शिदाबाद व कूचबिहार जिला, जो पिछले पंचायत चुनावों के दौरान हमेशा हिंसा का केंद्र रहा है, मतदान के पहले व इसके शुरू होने के कुछ मिनटों के भीतर ही वहां फिर से बड़े पैमाने पर हिंसा देखी गई।बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने पंचायत चुनाव में जारी हिंसा को लेकर टीएमसी पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी के गुंडे खुलेआम घूम रहे हैं। लोगों का जनादेश लूट लिया गया है।पश्चिम बंगाल में सभी दलों ने विचारधारा से ऊपर उठकर शनिवार को विभिन्न जिलों में 12 लोगों की हत्या की निंदा की। वहीं, भाजपा ने राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग की है।टीएमसी का आरोप है कि कूचबिहार के हल्दीबाड़ी ब्लॉक के दीवानगंज ग्राम पंचायत में भाजपा के समर्थकों द्वारा बूथ पर कब्जा कर लिया गया और मतपेटी फेंक दी गई। टीएमसी ने कहा कि आज एक बार फिर भाजपा ने लोगों के अधिकारों पर तीखा हमला किया है। एक बार फिर, बंगाल के लोग ऐसी दमनकारी ताकत को दृढ़ता से खारिज कर देंगे और अपनी असली ताकत का दावा करेंगे,

जिससे यह स्पष्ट हो जाएगा कि भाजपा वास्तव में कहां है!बंगाल में पंचायत चुनाव के लिए करीब 600 कंपनी केंद्रीय बलों एवं 1.70 लाख से ज्यादा पुलिस कर्मियों की तैनाती के बावजूद मतदान शुरू होने से पहले बीती रात से लेकर अब तक हिंसा में 12 लोगों की मौत की खबर है, जबकि दर्जनों लोग बम- गोली से जख्मी हुए हैं। इसी के साथ आठ जून को चुनाव की घोषणा के बाद से हिंसा में अब तक 32 लोग मारे जा चुके हैं।

सीएम योगी ने दिए नियुक्ति पत्र: बोले- देश और प्रदेश के साथ अब यूपी पुलिस का भी नाम रोशन करेंगे खिलाड़ी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में शनिवार को आरक्षी के पद पर चयनित 227 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए। इस मौके पर उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया और यूपी पुलिस की झोली पदकों से भरने के लिए कहा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अनुशासन के बिना सफलता नहीं मिलती है। टीम वर्क से ही विपक्षी को मात दी जा सकती है। हम 150 रिटायर्ड खिलाड़ियों को कोच बना रहे हैं। उनको 1.50 लाख रुपए मानदेय देंगे। यूपी पुलिस को अब देश भर में खेल प्रतियोगिता में अग्रणी रहना है। खेलो इंडिया से बड़ा बदलाव आया है। किसी भी खिलाड़ी का जीवन चुनौतीपूर्ण होता है। खिलाड़ी के साथ देश, प्रदेश, जिला और मोहल्ले का नाम भी रोशन होता है। हमने कार्मिक विभाग के शासनादेश में संशोधन कर खिलाड़ियों की नियुक्ति की प्रक्रिया को आसान बनाया।मुख्यमंत्री शनिवार को लोकभवन में आरक्षी के पद पर चयनित 479 कुशल खिलाड़ियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान नियुक्ति में महिलाओं ने अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। ये महिलाओं के 20 फीसद कोटे से काफी ज्यादा है। प्रदेश सरकार खेलों के विकास के लिए तमाम कदम उठा रही है। गांव में खेल का मैदान, विकास खंड में मिनी स्टेडियम और जिले में स्टेडियम बना रहे हैं। युवा कल्याण विभाग इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहा। प्रदेश सरकार ने अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में मेडल जीतने वालों और हिस्सा लेने वालों को नगद पुरस्कार दिया है। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने कहा कि खेल कोटे से इतनी नियुक्तियां कभी नहीं हुई। पीएम मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। पहली बार प्रदेश में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बन रही है। खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाया है। पहले पदक विजेताओं को नौकरी देने की कोई व्यवस्था नहीं थी। मुख्यमंत्री के निर्देशन में खेल नीति बनाई गई। जल्द खेल सारथी एप लांच कर रहे, इससे सारी योजनाओं की जानकारी और सुविधाएं मिल सकेंगी।

521 खिलाड़ी और होंगे भर्ती

डीजीपी विजय कुमार ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि पुरानी नियमावली की कमियों को दूर करते हुए कुल सीधी भर्ती कर दो प्रतिशत पदों को भरा जा सकेगा। उच्च कोटि के खिलाड़ियों का चयन हुआ है। एक दर्जन अन्य राज्यों के खिलाड़ी भी चयनित हुए। जल्द 521 पदों पर खिलाड़ियों की भर्ती करने जा रहे हैं। यूपी पुलिस अब राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेगी। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव युवा कल्याण एवं खेल नवनीत सहगल, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद, स्पेशल डीजी प्रशांत कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन भर्ती बोर्ड की अध्यक्ष रेणुका मिश्रा ने किया। वहीं कार्यक्रम में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य नहीं आए।

दिव्या को नायब तहसीलदार की नौकरी

इस अवसर पर मुजफ्फरनगर निवासी कुश्ती की खिलाड़ी दिव्या काकरान को नायब तहसीलदार का नियुक्ति पत्र दिया गया। दिव्या ने कहा कि मुझे यूपी में जन्म लेने पर गर्व है।

मैं पहले दिल्ली से खेलती थी। मेरे पापा मजदूर थे। बड़ी मुश्किल से सीखा। प्रदेश सरकार ने पदक जीतने पर पहले 50 लाख रुपए दिए थे। मेरे पति ओलंपिक की तैयारी करा रहे हैं। खेलो इंडिया गेमचेंजर साबित हो रहा है।

रायबरेली में तालाब में नहा रहे पांच बच्चों की डूबने से मौत, तीन को जिंदा बचाया

रायबरेली के एक गांव में हुए दर्दनाक हादसे में पांच बच्चों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। जबकि तीन को जिंदा बचा लिया गया है।रायबरेली जिले के दीन शाह गौरा ब्लाक क्षेत्र के एक गांव में तालाब में नहा रहे पांच बच्चों की डूबने से मौत हो गई जबकि तीन बच्चों को बचा लिया गया।बच्चे ब्लाक के मंगतन खेड़ा मजरे बांसी रिहायक गांव के पास तालाब में नहा रहे थे। सभी मृतक बच्चों की उम्र सात से 12 साल तक बताई जा रही है। घटना शनिवार दोपहर की है। मामले की जानकारी होते ही गांव में मातम छा गया और परिवार में रोना पिटना मच गया। यह बच्चे दो परिवारों के है। पानी में डूबे मृतक बच्चे - रितु उम्र करीब आठ वर्ष पुत्री जीतू - सोनम उम्र करीब 10 वर्ष पुत्री सोनू - अमित उम्र करीब आठ वर्ष पुत्र सोनू - वैशाली उम्र 12 वर्ष पुत्री विक्रम - रुपाली 9 वर्ष पुत्री विक्रम पानी में डूबने के बाद बचाए गए बच्चे - सोनिका उम्र लगभग 10 वर्ष पुत्री दीपू - संधिका उम्र लगभग आठ वर्ष पुत्री मान सिंह - विशेष उम्र लगभग चार वर्ष पुत्र दिनेश।

संपादकीय Editorial

Right vs right

The pasture where politics has started running, the barrenness for Himachal is confirmed there. The character of the state reveals its compulsions due to political thinking in this sunny shade, while there is a need for new efforts, energy and mutual cooperation in front of the challenges of the state. It is surprising that the economic rights of our state have been crippled by the measure of the rights by our leaders. The latest example is from Chamba district where politics is announcing its presence by ringing a bell tied around the neck of a sports competition. Two mirrors were broken in front of the under-14 sports competition at Senior Secondary School Himgiri and Himachal's concerns were injured in the breakage. When the power changed, the touch of such competitions also changed, so the gentleman who was inaugurating was considered a Congress VIP and the BJP MLAs who did not get political rights were so upset that the competition became political rather than a sports competition. We can guess that the enthusiasm, passion and passion of the players there was watching the politics on the field of play. In lobbying for political rights, the leaders of Himachal do not even regret that they will have to take many births to be worthy of the pitch on which they play, but the public is also guilty of this environment. When the society starts looking only at politicians instead of senior, experienced, prestigious and highly qualified people or when the self-respect of the civil society is mortgaged by attending the government court, then how will we be able to revive the pride of the state. It also means that the common Himachali is becoming a magnet at the feet of politicians by mortgaging their pride. Many senior military officers who have written the history of sacrifices for the country are present in this region, but there is no place for them in the splendor of government functions. Now, in national and regional functions, the ruling party's Lav Lashkar and the leaders are licking the spoons of Gulkand. On the one hand it is increasing extravagance and on the other hand political cadre is being created in the government machinery. For example, the heads of many government educational institutions are busy only through such events, as a result we have developed such a Himachal among the Himachals. Who has to exploit the system only for personal and political interests. If the purpose of selection of the foundation stone, inauguration or the chief date of any function remains the ladder of politics, then the rights of Himachal will be sold in such a baniyagiri of rights. Today, the concern of every party and every citizen of the state should be about this right, be it Shanan power project or how to pressurize to get 7.19 percent share in Punjab reorganization. If the present state government wants to generate financial resources from a concept like water cess, then the cooperation of the opposition is sought in this decision. In such a situation, the 'Himachal Adhikar Yatra' of Shanta Kumar should be mentioned with great pride, who achieved initial success in getting the right to free electricity from power projects for the first time through the Delhi March. Then even after getting 15 percent power from BBMB, a way was opened which is currently closed. In such a situation, even today, if Shanta Kumar wants to stand in favor of Himachali rights with the Sukhu government, then the active leaders of his party will also have to follow it. Governments will come and go and political supremacy will also keep changing, but if the Himachali identity remains intact, generations will move forward. By inaugurating the games of Chamba, one side's politics may get relief.

Issue: Justice of the market on the pretext of tomatoes, smile on the face of the farmer

Right now tomato prices have brought a smile on the farmer's face, but this is just one case. Can't there be such a balance in the market system that at least fifty percent of the profit reaches the farmers? Why does the market take away the bulk of both the consumer and the producer? Often we do not see a smile on the faces of tomato growing farmers. Just a month back, farmers in Maharashtra were throwing tomatoes on the streets as the wholesale price of tomatoes had reportedly dropped by Rs 2 per kg. But now the story has changed. Retail prices of tomatoes have crossed Rs 100 per kg in many cities and the interesting thing is that farmers are also getting relatively higher prices. There is news from Himachal Pradesh that tomato producing farmers are getting maximum price at the rate of Rs 102 per kg, which is more than the price of apple. Even in Punjab, farmers are getting Rs 80 to 100 per kg, while the price for the consumer in shopping malls is Rs 97 to 137 per kg. To put it in other words, the trader's share of profits has come down significantly, leaving farmers with roughly 70 to 80 per cent of the final consumer price. I would like to see this trend in the case of all vegetables and fruits. The wholesale price of cumin – an important spice in the Indian kitchen has also increased. The wholesale price of jeera rose to Rs 55,750 per quintal due to heavy fall in production due to rains and increased demand for exports. Moreover, the fresh apple crop in Himachal Pradesh is expected to drop by 50 per cent this season due to climatic vagaries. As such, it is expected that when the new crop will hit the market, its retail prices will be relatively higher. This means farmers will get better price than expected. Its one message is very clear that till the farmers do not overcome the passion of producing additional crop, the market will not do justice to them. Generally, the benefit of increase in the consumer price of vegetables and fruits is not passed on to the farmers. The equation of demand and supply doesn't always work. It is mostly observed that manipulation of retail trade prices results in sudden very sharp increase in consumer prices. While consumers are forced to pay higher prices, farmers are not given the benefit of increased prices. Now take the example of Capsicum, just a few weeks ago farmers of Punjab were throwing Capsicum on the streets because traders were not willing to pay them even at the rate of Re 1 per kg. While the hawkers were charging up to Rs.30 per kg of capsicum from the urban consumers. This means that the commission of middlemen in the market will be 2,900 per cent, which is a kind of exploitation. Farmers were selling onion at the rate of Rs 2 to 3 per kg, but in the retail market it was priced at Rs 20 per kg, which shows that traders were making 900 per cent profit. We may dismiss it as market manipulation, but in reality it is a matter of life and death for the farmers. Just imagine the blow that strikes the livelihood of farmers. When farmers are forced to destroy their hard-earned crops when they do not even get the cost of production. A few months ago, there was a news from Chhattisgarh, which told how a farmer from Mahasamund suffered a complete loss when he had to sell 1,475 kg of brinjal in Raipur mandi to meet the transportation and other expenses in his pocket. 121 had to be paid from Rs. Not only in India, farmers in America and Britain also have to bear the loss. While farmers' share of final consumer value has declined sharply in the US, a study in the UK shows that agribusiness companies make barely one per cent of the profit from the sale of half a dozen products of daily use. Only a part is given to the farmers. Such anomalies are the result of flaws in the way markets operate. Although all kinds of economic reforms have been done, there has not been much improvement in the business sector. This is essential because the agricultural supply chain is very complex, in which the other participants take away the profits, but the farmers are left out. Consumers should understand that not only the farmers, but they are also being cheated by the traders. Relying on free markets has not brought higher income to farmers anywhere in the world. If the market benefited farmers, there was no reason why the US would have to provide domestic subsidies of Rs 79 lakh per farmer every year. Clearly, there is an urgent need to reform agriculture trade (which includes both wholesale and retail markets) and ensure that farmers get at least 50 per cent of the final consumer price. If the retail price of tomato is Rs 100 per kg, farmers should get at least Rs 50 per kg, and if the market can offer more to farmers, that is welcome. Just as Amul Cooperative ensures that dairy farmers get at least 80 per cent of the final consumer price, the same needs to be done in the trade of fruits and vegetables. as reported in the news Yes, if the government is planning to market-link pension funds for employees to ensure that they get a pension of at least 40 per cent of their last pay, I see no reason why the supply chain balance should be the same. cannot be adjusted so that farmers get at least 50 per cent of the retail price. Why only for employees, there is a need to set up an expert committee to fix pricing norms for farmers as well.

Society: Instead of controversy on Gandhi's idea, there should be a new thought, it is necessary to understand the difference between service and self-service

Gandhi's thought cannot be understood without understanding the difference between service to all and service to self. Service will remain, only then governments or institutions can continue to run. Mahatma Gandhi had clearly said two things while alive. One is 'my life is my message'.

So leave whatever I wrote or said. Keep in mind what I did.' Second, 'If there is a difference between my earlier and later statements on any subject, then consider the one given at the end as my statement.' From these two things we can understand how progressive Gandhi was in foresight. Gandhiji did not consider the imposed or borrowed civilization to be suitable for any country. Society is formed by its civilization, its understanding, its conscience and its behavior. Can Gandhians understand this modern module of Gandhi's thought and develop themselves today?

Recently, two controversies came to the fore regarding the name Gandhi. In both the controversies Gandhi's thoughts remained absent. The Indira Gandhi National Center for the Arts was accused of usurping the land of Gandhi Vidya Sansthan, which was closed for years in the Banaras campus of Sarva Seva Sangh. The employees of Sarv Sewa Sangh are agitating on the issue of land acquisition of this institute. Sarva Seva Sangh was formed by Vinoba ji after Gandhi ji left. Gandhi ji also wanted that after independence the Congress party should take the form of Sarva Seva Sangh.

And, Gandhi Vidya Sansthan is an institution created by Jayaprakash Narayan. Unnecessary land dispute has been going on between Railways and Sarva Seva Sangh for years. What does not change with time, time evicts. In the midst of all this, news came that the Central Government had given the Gandhi Peace Prize to Geeta Press, Gorakhpur. There was a needless attempt to oppose the government. Geeta Press rejected the prize money of one crore.

What is there in the name Gandhi? The Prime Minister can be seen offering flowers and bowing down to the statue of Mahatma Gandhi in front of the whole world on every foreign visit.

But when the countrymen protesting against what they did or did not do, protest in front of the Gandhi statue, then the government does not have answers to the questions. Today, the intention of the central government regarding Gandhi's idea is well known, but Gandhi's idea is beyond ruling at all costs.

Everyone remembers the Kudal Commission (1982), when after Indira Gandhi returned to power, an inquiry was set up on the misappropriation of funds in Gandhian institutions.

After Gandhi's departure, Gandhi does not claim any land or lands taken, given or acquired in his name, nor does Gandhi have anything to do with such land. Gandhi's thought was concerned only with the proletarian society of harmony and all the service related to it.

Looking at the condition of the Sarva Seva Sangh, had Gandhi been alive today, he would probably have disbanded it as well. Gandhi created institutions only for the purpose of service work, and also so that the service workers can earn their living from the work of the institutions.

Undoubtedly, the cost of the closed Gandhi Vidya Sansthan land would be in crores, but only if it remains open, the confusion spread in the society can be reduced to ashes. The controversy of awarding Gandhi Peace Prize to Gita Press is also against Gandhi's thoughts. Governments are engaged in the work of power only.

Everyone acknowledges the contribution of Gita Press for the spiritual awakening of the society. If we understand Gandhiji's education, then there will be no doubt in his mind about the contribution of Gita Press. Undoubtedly, there must have been a difference in the spiritual beliefs of the editor of Geeta Press and Gandhiji, but even Gandhiji could not deny the contribution of Geetapress in the promotion of spirituality.

Therefore, what can be the justification for the BJP pitting Gandhi against the Gita Press and the Congress pitting Gandhi against the Gita Press? Why does it happen that we all want to adopt Gandhi's name, but let Gandhi's idea fall into controversy. Instead of controversies on Gandhi's idea,

there should be a fresh idea. Gandhi's thought cannot be understood without understanding the difference between service to all and service to self. Service will remain, only then governments, unions or institutions can continue to run.

एसडीएम विवाद पर सपा सांसद एसटी हसन बोले- हर महिला ज्योति के जैसी नहीं होती

मुरादाबाद-एसडीएम ज्योति मौर्य केस इन दिनों खूब सुर्खियों में है और सोशल मीडिया पर हर कोई अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहा है। कोई ज्याति के पक्ष में बात कर रहा है तो कोई आलोक के पक्ष में बात कर रहा है। इसे लेकर सपा सांसद एसटी हसन का बयान सामने आया है। सपा सांसद एसटी हसन ने कहा कि सारी महिलाएं एक जैसी नहीं होती। सपा सांसद एसटी हसन ने कहा कि कहा कि महिलाएं अपने पति के प्रति वफादार होती हैं और इस देश का मान भी बढ़ाती हैं। ज्योति जैसा केस महज एक इत्तेफाक है। ऐसा मैं समझता हूं। हर महिला एसडीएम ज्योति के जैसी नहीं होती। इसलिए पतियों को डरने की जरूरत नहीं है। उन्हें अपनी पत्नियों को पढ़ाना चाहिए।

ड्रामेबाज़ हैं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान

मध्यप्रदेश के सीधी जिले में भाजपा विधायक के प्रतिनिधि प्रवेश शुक्ला द्वारा अनुसूचित जाति के व्यक्ति के मुंह पर पेशाब करने का वीडियो वायरल हुआ था। पीड़ित दशमत रावत भोपाल स्थित सीएम शिवराज सिंह चौहान के घर पहुंचे। इसके बाद सीएम शिवराज सिंह चौहान ने खुद उन्हें सम्मानित किया है। सीएम ने दशमत रावत के पैर धोए हैं। साथ ही उनसे बात की है। वहीं सपा सासंद डॉक्टर एसटी हसन ने सीएम शिवराज सिंह चौहान का आरोपी का घर तोड़ने और पीड़ित के पैर धोने को ड्रामा बताया है। सपा सासंद डॉक्टर एसटी हसन ने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ड्रामेबाज़ हैं। साप तो काटकर निकल गया अब लकीर पीटने से क्या फायदा है? जो होना था वो तो हो गया है। सपा सांसद ने कहा कि ये मानसिकता भाजपा ने ही फैलाई है। अब पैर धोने और खाना खिलाने से कोई फायदा नहीं है। ये सब नौटंकी है। अब आरोपी के घर पर बुल्डोजर चलाने की कोई ज़रूरत नहीं थी, जब आरोपी गिरफ्तार हो गया उसको जेल भेज दिया गया।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल, ज्योति और उनके पति आलोक ने एक दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पति आलोक पेशे से एक सफाईकर्मी हैं। उनका कहना है कि उन्होंने मेहनत करके अपनी पत्नी को पढ़ाया-लिखाया और एसडीएम बनने के बाद उन्होंने धोखा दे दिया। ज्योति का किसी और मर्द के साथ अफेयर चल रहा है। दूसरी तरफ ज्योति ने पति पर दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया है। उत्तर प्रदेश शासन ने एसडीएम ज्योति मौर्य को पूरे मामले पर जवाब तलब किया था। जिस पर ज्योति मौर्य ने दो पेज में अपना लिखित जवाब शासन को भेजा है। यह विवाद अब कोर्ट तक भी पहुंच चुका है। ज्योति ने कहा है कि वो अपना पक्ष अब कोर्ट में ही रखेंगी।

रामपुर के सीएफओ को दिया गया मुरादाबाद का अतिरिक्त प्रभार

मुरादाबाद-सहायक उप निरीक्षक (लिपिक) संजय कुमार ने रची थी मनगढ़ंत कहानी, सीएफओ भी निपटे, जांच में साफ हुई फर्जीवाड़े की योजना, माया मिली न राम...सभी आठ लीड फायरकर्मी रिवर्ट प्रमोशन में फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) पद का अतिरिक्त चार्ज रामपुर जिले के सीएफओ अंकित मित्तल को दिया गया है। अग्निशमन अधिकारी ज्ञान प्रकाश शर्मा ने बताया कि तत्कालीन सीएफओ सुभाष कुमार अब चैंबर में नहीं बैठ रहे हैं। सुभाष कुमार ने सीयूजी नंबर भी कार्यालय में जमा कर दिया है। अब इस सीयूजी नंबर को रामपुर सीएफओ से अनुमति लेकर सक्रिय करेंगे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्यालय के सीआरके (प्रधान लिपिक) मुकेश कुमार मलिक ने बताया कि सीएफओ सुभाष चौधरी के निलंबन का आदेश उन्हें रिसीव भी कराया जा चुका है। इस प्रकरण की जानकारी पांच मई को अधिकारियों को हो गयी थी। इसके बाद पुलिस अधीक्षक यातायात ने पूरी मामले की जांच की थी। सत्यता पाए जाने पर सबसे पहले सहायक उप निरीक्षक (लिपिक) संजय कुमार का निलंबन हुआ। जिन आठ लीडिंग फायर कर्मियों को प्रोन्नति दी गई थी, वह रिवर्ट कर दिए गए। निलंबन अवधि में संजय कुमार पीएसी हेड क्वार्टर में संबद्ध हैं। प्रकरण में एसएसपी हेमराज मीना के आदेश पर सीआरके (प्रधान लिपिक) मुकेश कुमार मलिक ने सिविल लाइंस थाने में 31 मई को रिपोर्ट लिखाई थी। इसमें सहायक उप निरीक्षक (लिपिक) संजय कुमार को नामजद किया था, जबकि अन्य फायर कर्मियों के विरुद्ध बेनाम में केस दर्ज कराया था। यह है पूरा मामला रिपोर्ट में कहा गया

कि सहायक उप निरीक्षक (लिपिक) संजय कुमार वर्ष 2017 से 11 मार्च 2023 तक प्रधान लिपिक एसएसपी कार्यालय में बतौर सहायक उप निरीक्षक (लिपिक) के पद पर तैनात रहे। इन्हें एसएसपी ने 19 दिसंबर 2022 से सशस्त्र पुलिस फायर सर्विस, एलआईयू, उर्दू अनुवादक, चतुर्थ श्रेणी व भवन लिपिक आदि से संबंधित कार्य आवंटित किए थे। इन्होंने तीन मार्च 2023 को तथाकथित अधिसूचना (15 जनवरी 2023) के आधार पर आठ लीडिंग फायरमैन/फायर सर्विस चालक को सहायक उप निरीक्षक के संबंध में निर्धारित वर्दी के लिए एसएसपी से आदेश करा लिए, जबकि कार्यालय पत्रावली पर उपलब्ध तथाकथित अधिसूचना शासन से जारी नहीं हुई थी। इसके बावजूद भी इनके द्वारा बिना शासन से जारी किसी नियमावली को पत्रावली का भाग बनाया गया। यही नहीं, छल करने की नियत से तीन मार्च 2023 को फर्जी आदेश बनाकर जारी कराया गया। पत्रावली पर तत्कालीन एसएसपी का वर्ष 2019 को 11 फायर सर्विसकर्मियों को सहायक उप निरीक्षक के लिए निर्धारित वर्दी धारण करने संबंधी वर्ष 2021 का निरस्त आदेश भी उपलब्ध है। इस तरह सहायक उप निरीक्षक (लिपिक) संजय कुमार हाल तैनात अनुभाग-1 पीएसी मुख्यालय लखनऊ व अन्य फायर कर्मियों द्वारा यह जानते हुए कि संबंधित अधिसूचना मिथ्या है, फिर भी इस तथाकथित अधिसूचना को सही रूप में प्रयोग करते हुए आठ फायर सर्विस कर्मियों को गलत पदोन्नति दी गई। इसमें संजय कुमार के संग अन्य फायर कर्मियों को भी दोषी मानकर इनके विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट लिखाई गई है। अग्निशमन अधिकारी ज्ञान प्रकाश शर्मा बताते हैं कि तीन फीती धारण करने वाले लीडिंग फायरमैन (हेड कांस्टेबल) होते हैं। तीन फीती प्रक्रिया के सात साल बाद ऐसे कार्मिकों को एक स्टार धारण कराने का नियम है। लेकिन, कहलाते वह लीडिंग फायरमैन ही हैं। हां, पदोन्नति से इनका प्रोन्नत वेतनमान एसआई (दारोगा) ग्रेड का मिलने लगता है। फिलहाल, ये सभी आठ फायर सर्विस कर्मी प्रोन्नत वेतनमान से रिवर्ट हो गए हैं।

कागजी घोड़े दौड़ा रहा विभाग, एनएच के 284 स्थलों पर हो गया अतिक्रमण

मुरादाबाद-मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, हापुड़, अमरोहा व बुलंदशहर जिले में हाईवे पर अवैध कब्जा हाई-वे को अवैध कब्जों से मुक्त करने के दावे खोखले हैं। जबकि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) मुरादाबाद रेंज के अधिकारी अवैध कब्जेदारों को नोटिस जारी करने का पुलिंदा जरूर रखा है। क्योंकि नेशनल हाईवे के किनारे या उसके आसपास कुल 284 अवैध कब्जे प्रमाणित हैं। प्रबंधन कई कब्जेदारों को एक नहीं, तीन-तीन या इससे भी अधिक नोटिस जार करने का दावा करता है। मगर ऐसे कब्जों से हाईवे मुक्त नहीं हो पाया है। जो कई बार हादसे का कारण साबित हुए हैं। इन अवैध कब्जों के कारण हाईवे किनारे खड़े होने वाले वाहनों की भीड़ देखी जा सकती है। शायद इन्हीं वजहों से मुख्यमंत्री ने भी सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से पूर्व में कह चुके हैं कि कोई भी वाहन मार्ग किनारे खड़ा नहीं किया जाएगा। लेकिन, यहां तो नेशनल हाई-वे पर कब्जेदारी का क्रम जारी है। सच तो यह भी है कि हाईवे को कब्जों से मुक्त कराने को एनएचएआई के अधिकारियों ने कोई ठोस योजना नहीं तैयार की है। केवल कुछ अंतराल पर नोटिस के कोरम जरूर पूरे किए गए हैं। अधिकांश कब्जेदारों को पिछले साल नोटिस दिए गए थे, इनमें एक भी ऐसा स्थल नहीं है जो स्थल कब्जा मुक्त हो गया है। चार कब्जेदारों को फिर नोटिस-राष्ट्रीय राजमार्ग-09 पर अवैध कब्जेदारों को अभी फिर 7 जुलाई को एनएचएआई के परियोजना निदेशक एवं राजमार्ग प्रशासक अनुज जैन की तरफ से नोटिस जारी किए गए हैं। पाकबड़ा में मोहम्मद रईस, मिलन बिहार के राजेंद्र सिंह, पल्लुपुरा घोसी के मोहम्मद इखलाक, नया मुरादाबाद सेक्टर-13 के ज्वाला प्रॉपर्टी की शाहिस्ता पत्नी जुल्फिकार व अन्य कब्जेदारों को नोटिस दिए गए हैं। इन लोगों को पहले की तरह फिर राजमार्ग प्रशासक ने हिदायत दी है कि भूखंड में निर्माण कर अतिक्रमण किया गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग की सरकारी भूमि पर अवैध रूप से निर्माण किया जाना नियम विरुद्ध एवं दंडनीय अपराध है। अगर कोई व्यक्ति राजमार्ग की भूमि पर अवैध रूप से निर्माण कराता है तो कंट्रोल ऑफ नेशनल हाईवे (जमीन व यातायात) अधिनियम-2002 की धारा-26 व 39 के तहत कार्रवाई होगी। इसमें एक वर्ष तक सजा का भी प्राविधान है। नोटिस में चेताया गया है कि सात दिन के अंदर अवैध अतिक्रमण स्वयं हटा लें अन्यथा एनएचएआई की तरफ से कब्जा हटाने पर आने वाले खर्च संबंधित से ही वसूला जाएगा। इस तरह के हैं अतिक्रमण हाईवे किनारे एनएचएआई की जमीन पर पक्का निर्माण एवं बाउंड्रीवॉल कर अवैध कब्जे किए गए हैं। कोई हाईवे की जमीन पर ही खेती-किसानी कर रहा तो कोई अन्य गतिविधियां संचालित किए है। यह है जनपदवार विवरण जनपद - अवैध वाले स्थल बरेली - 127 रामपुर - 66 हापुड़ - 49 मुरादाबाद - 24 अमरोहा - 17 बुलंदशहर - 01 कुल कब्जे - 284 प्रशासन से अपेक्षित सहयोग नहीं... अवैध कब्जेदारों को बहुत नोटिस दे चुका हूं। हाईवे पर जोया के मोहल्ला चौधरियान में कब्जे आज भी बरकरार हैं। मैं तहसील प्रशासन के जब बहुत पीछे पड़ गया तब वह एक-डेढ़ महीने बाद 10 दिन पहले कुछ हिस्से को अतिक्रमण से खाली कराया और शेष हिस्से में अभी भी अतिक्रमण बरकार है। इस तरह हमें प्रशासन से बहुत बार बोलना पड़ता है। अब समस्या ये भी है कि हमारे पास भी मैनपावर कम है। सामान्य कार्य करें, या फिर अन्य...। अब कमिश्नर को पत्र लिखकर उन्हें अवैध कब्जों के संबंध में अवगत कराकर हाईवे को कब्जामुक्त कराने का अनुरोध करेंगे। -

अनुज जैन, परियोजना निदेशक एवं राजमार्ग प्रशासक

साहब! दूसरी ने घर बर्बाद कर दिया- प्रेमिका के चक्कर में पत्नी को दिया तीन तलाक, पति पर मामला दर्ज

मझोला थाना इलाके में एक प्रेमिका के चक्कर में डॉक्टर पति ने पत्नी को तीन तलाक दिया है।

अब आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मझोला थाना क्षेत्र में रहने वाली महिला ने अपने पति पर तीन तलाक देने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि उसका पति डॉक्टर है। प्रेमिका के चक्कर में आकर उसने मुझे तीन तलाक दिया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर डॉक्टर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।पीड़ित महिला ने मझोला थाने में दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी बिलारी क्षेत्र निवासी डॉक्टर के साथ हुई थी। दंपती के दो बच्चे हैं। महिला का कहना है कि शादी के कुछ दिन तक तो सब कुछ ठीक ठाक चल रहा था। अब कुछ समय से पति के एक अन्य युवती से प्रेम संबंध हो गए। महिला को इसकी भनक लगी तो उसने इसका विरोध किया। आरोप है कि इसके बाद पति ने उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। उससे दहेज की मांग की जाने लगी। महिला का कहना है कि पति ने उस लड़की से ही शादी करने की बात कही है। सात जुलाई को पति ने महिला के साथ मारपीट की और तीन तलाक देकर उसे घर से निकाल दिया। सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर ने बताया कि तहरीर के आधार पर केस दर्ज किया गया है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे। उसी के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जीरो टॉलरेंस नीति दूर, पद और प्रतिष्ठा भी भूले रिश्वतखोर

मुरादाबाद-सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति का दावा बिजली विभाग, राजस्व, आरटीओ-एआरटीओ आदि कार्यालयों में दिखावा साबित हुआ है। भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एंटी करप्शन) इकाई के स्थानीय प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार सिंह भी स्वीकार करते हैं। सुविधा शुल्क पसंद अधिकारियों-कर्मचारियों की सोच कितनी असामाजिक है, ये समाज के बारे में क्या विचार रखते हैं समझा पाना मुश्किल है। इधर, एंटी करप्शन टीम की साढ़े तीन साल के आंकड़ों से पता चलता है कि सामान्य कर्मचारी ही नहीं बल्कि, पुलिस विभाग में सीओ सिटी स्तर तक के वरिष्ठ अधिकारी भी सुविधा शुल्क पसंद रहे हैं। एडीओ पंचायत, अवर अभियंता, दरोगा, गन्ना पर्यवेक्षक, कानूनगो, लेखपाल जैसे वरिष्ठ कर्मी तक रिश्वतखोरी में पकड़े गए हैं। बिजली विभाग के जेई पंकज कुमार शर्मा अभी 28 जून को विभागीय सेवा से बर्खास्त तक हो गए हैं। प्रभारी निरीक्षक एंटी करप्शन बताते हैं कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध 'भ्रष्टाचार निवारण संगठन' काम कर रहा है। लेकिन, कुछ शिकायतें भी आती हैं, जो कार्रवाई लायक नहीं होती हैं। कारण ये है लोग चाहते हैं कि संबंधित कार्मिक की तरफ से रिश्वत में मांगी गई धनराशि संगठन दे तो ऐसा कोई नियम नहीं है। उन्होंने कहा, जब से वह संगठन की स्थानीय इकाई में तैनात हैं, उस समय से ही संगठन के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे हैं। रिश्वतखोर के पकड़े जाने पर प्रकरण और अपने संपर्क नंबर सार्वजनिक करते हैं। भ्रष्टाचार के सवाल पर प्रभारी निरीक्षक कहते हैं कि कई सरकारी कार्यालयों में देखने में आता है कि लोग बिना पैसे काम नहीं कर रहे हैं। लेकिन, हमारे पास जब शिकायत आएगी तभी हम संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई कर भी पाएंगे। उन्होंने कहा, धीरे-धीरे ये मानव प्रवृत्ति बन गई है कि बिना पैसा काम नहीं होता है, पैसा दो काम करा लो। प्रभारी निरीक्षक कहते भी हैं कि बिजली, राजस्व, आरटीओ-एआरटीओ (परिवहन विभाग) कार्यालय में करप्शन सार्वजनिक है। कोविड काल में नहीं थमा रिश्वत लेना = 2020 व 2021 में कोविड का वह दौर, जिसे याद करने पर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। उन दिनों में भी टीम ने सात लोगों को रंगे हाथ रुपये लेते दबोचा। यह है मंडल के कुछ मामले- वर्ष 2023 = मुरादाबाद में गन्ना पर्यवेक्षक जगदीश सिंह, कानूनगो धर्मवीर सिंह, लेखपाल अंकित कुमार, कार्यालय सहायक बिजली विभाग शरद भटनागर, अमरोहा के अवर अभियंता बिजली अखिलेश सिंह, संभल के दरोगा धर्मेंद्र व अमीन संग्रह सत्यवीर सिंह। वर्ष 2022 = मुरादाबाद में जीआरपी दरोगा चंद्रपाल, जेई बिजली विभाग पंकज शर्मा, एडीओ पंचायत कुलदीप सिंह व ग्राम पंचायत अधिकारी संजीव, सीओ चकबंदी कार्यालय के लिपिक यशवंत और संभल के कानूनगो शिव दयाल, दरोगा दीपक कुमार, कांस्टेबल आनंद प्रकाश, रामपुर के लेखपाल अजयपाल।वर्ष 2021 = रामपुर के सीओ सिटी विद्या किशोर व दरोगा शोकेंद्र एवं लेखपाल दिवाकर सिंह। सीओ सिटी के विरुद्ध सुबूत मिलने पर गंज थाने में 10 जून को प्रभारी निरीक्षक एंटी करप्शन ने रिपोर्ट लिखाई। वर्ष 2020 = संभल जिले में दरोगा चरण सिंह व अनोखे लाल गंगवार, मुरादाबाद में जेई जल निगम अश्वनी कुमार, लेखपाल नेमपाल व अमरोहा में लेखपाल योगेश कुमार।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डांस प्रतियोगिता में माहिरा प्रथम

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- बी० आर० जीनियस इंटरनेशनल स्कूल नवाबगंज में शनिवार को इंटर हाउस डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कालेज के निदेशक अंकुर गंगवार, डा० एम०एल० गंगवार व प्रधानाचार्या मौसुमी शर्मा ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया। डांस प्रतियोगिता में कक्षा 9 की छात्रा अदिति, भूमिका, हिमांशी, ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। प्रतियोगिता में तीन ग्रुप रहे, ग्रुप अ में कक्षा एक से कक्षा तीन तक के बच्चों ने हिस्सा लिया। ग्रुप ब में कक्षा चार से कक्षा आठ तक के विधार्थी रहे, व ग्रुप स में कक्षा नौ से कक्षा बारहवीं तक की छात्राओं ने हिस्सा लिया। सभी प्रतिभागियों ने अपनी -अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन बड़े ही उत्साह के साथ किया। प्रधानाचार्या व कार्यक्रम के दौरान मौजूद सदस्यों ने गीत के चुनाव, परिधान व भाव भंगिमा के आधार पर बच्चों का मूल्यांकन किया। ग्रुप अ से येलो हाउस की कक्षा दो की माहिरा ने प्रथम पुरस्कार जीता। द्वितीय पुरस्कार ब्लू हाउस के कक्षा दो के छात्र आयु ने जीता ग्रुप ब से प्रथम

पुरस्कार ब्लू हाउस की कक्षा छ की छात्रा अवनि ने प्राप्त किया। द्वितीय पुरस्कार रेड हाउस की कक्षा छह की छात्रा अनु को मिला। ग्रुप स में प्रथम पुरस्कार ग्रीन हाउस की कक्षा नौ की

छात्रा भूमिका ने जीता। द्वितीय पुरस्कार रेड हाउस के कक्षा नौ के छात्र अमित, अभय व आर्याश को मिला। इस उपलक्ष्य में विधालय की प्रधानाचार्या मौसुमी शर्मा ने अपने भाषण में सभी विजयी छात्र छात्राओं को बधाई दी।कार्यक्रम के अंत में मुख्य राजकुमारी गंगवार व शक्ति पटेल ने सभी उपस्थित शिक्षकों को कार्यक्रम की सफलता की बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन अध्यापिका नगमा नसरीन व नवनीत ने किया। इस अवसर पर शिक्षक के० पी० गंगवार, नासिर हुसैन, अमन मल्होत्रा, रश्मि शर्मा, मोनिका, वंदना, अंजली, नविश जैदी, चंद्रा कुमारी, नताशा ग्रोवर, पूजा गंगवार, आसिफ इदरीस, राकेश सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

अब कौन बोलेगा हैप्पी बर्थडे: बेटे का जन्मदिन मनाने जा रहे पिता की मौत, सालभर पहले मां छोड़ गई थी अतुल का साथ

मृतक अंकुर की पत्नी की प्रमिला की एक वर्ष पहले संदिग्ध हाल में मौत हो गई थी। अब छह वर्षीय पुत्र अतुल के सिर से माता और पिता दोनों का साया हमेशा के लिए उठ गया। बस्ती में बढ़ रहे बच्चे का जन्मदिन मनाने जा रहे डुमरियागंज थाना क्षेत्र के उपधी गांव निवासी पिता की बस्ती के मनौरी चौराहे पर शुक्रवार रात हुए सड़क हादसे में मौत हो गई। जबकि बाइक सवार मृतक के बुआ का लड़का जख्मी हो गया। लखनऊ मेडिकल कॉलेज में उनका इलाज चल रहा है। वहीं, मौत की खबर मिलने के बाद परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के उपधी गांव निवासी अंकुर पांडेय (27) पुत्र प्रद्युम्न पांडेय अपने बच्चे को बस्ती में पढ़ाते हैं। बताया जा रहा है कि शुक्रवार को छह वर्षीय पुत्र का जन्मदिन था। जिसमें शामिल होने के लिए वह घर से निकले थे। उनके साथ उनके बुआ का लड़का भी बाइक पर था। बताया जा रहा वह बस्ती जनपद के वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के मनौरी चौराहे पर पहुंचे थे कि ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में अंकुर की मौत हो गई। जबकि बुआ का लड़का आशीष गंभीर रूप से जख्मी हो गया। हादसे की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को बस्ती जिला अस्पताल पहुंचाया,

जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखकर आशीष को लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। पुलिस ने सूचना देने के साथ ही लिखा पढ़ी की। वहीं, मौत की खबर मिलने के बाद से परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक अंकुर की पत्नी की प्रमिला की एक वर्ष पहले संदिग्ध हाल में मौत हो गई थी। अब छह वर्षीय पुत्र अतुल के सिर से माता और पिता दोनों का साया हमेशा के लिए उठ गया।

बिजली पानी के लिए नदीगांव मे मची हाहाकार,घंटो से बिजली गुल लोग परेशान

पवन कुमार-क्यूँ न लिखूँ सच

कोंच(जालौन) - कोंच तहसील के दीगांव नगर पंचायत क्षेत्र में तीन दिन से बिजली गुल रहने से लोग परेशान तीन दिन हो गये है बिजली के सभी उपकरण बंद लोग हुए परेशान छोटे छोटे बच्चों का इस भीषण गर्मी में रों रों कर बुरा हाल,बांस के पंखे के सहारे काट रहें दिन,मोबाईल के नेटवर्क भी बिजली न होने से कम आ रहें, पानी के लिए हो रहें परेशान, बिजली न आने से हो रही परे शानी दिन तो कट जाता है, नहीं कट रही रातें, पसीने से तरवतर हो रहें लोग, रावतपुरा बॉर्डर तक जाकर कर रहें जरूरी फोन कॉल!33 के वी की मशीने खराब कहीं फाल्ट तो कहीं कोई समस्या बता रहें नहीं मिल रही बिजली आने की सही जानकारी, इस भीषण गर्मी से बिजली न आने से मोबाईल ठप्प पड़े नहीं कर पा रहें कोई काम, लोग हो परेशान कोष रहें बिजली विभाग को लोगों का कहना है जल्द विधुत सप्लाई चालू की जाये

कोंच सर्किल के कई थानो के दरोगा भी हटे,कई दरोगा थाने मे आये भी

पवन कुमार-क्यूँ न लिखूँ सच

कोंच(जालौन) - जिले के तेज तर्रार एस पी डा ईराज राजा ने कोंच सर्किल के कई दरोगाओ को इधर से उधर किया है मिली जानकारी मे कोंच सर्किल के केलिया थाने की पुलिस चौकी जगनपुरा से प्रभारी धीरेंद्र पटेरिया को कोंच मंडी मे तेनाती दी है और इस जगन पर चौकी मे नये दरोगा जो चौकी प्रभारी अशोक वर्मा इटोरा थाना आटा थे अब जगनपुरा चौकी का काम काज देखेंगे सर्किल के थाना नदीगाँव मे पुलिस लाईन उरई से एस आई शिवराज सिंह और राजेंद्र कुमार को तेनाती दी गई है वही कदोरा थाने के एस एस आई शीलवन्त यादव और सुरई चौकी के प्रभारी के रूप मे कार्य करने बाले दरोगा शिव शंकर सिंह को भी नदीगांव मे पोस्टिंग दी गई है और नदीगाँव थाने मे काफी समय से जमे दरोगा शैलेंद्र सिंह को हटाकर माधोगढ थाने मे भेजा है वही थाना केलिया की पहाड़गांव चौकी का अच्छा काम देख रहे दरोगा कमल नारायण को हटाकर थाना रेंडर मे भेजा है वही कोंच सर्किल के थाना एट मे दरोगा सुरेश चन्द की तेनाती की गई है दरोगा सुरेश चन्द कालपी कोतवाली की ज्ञान भारती चौकी के प्रभारी थे अब एट थाने मे जनता की सेवा करेंगे इस तबादला सूची जारी होने से पुलिस विभाग मे हड़कम्प मचा है एसपी की सख्त कार्यवाही से लापरवाह पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियो मे डर व्याप्त है

पिता से रंजिश, सजा बेटी को: चार युवकों ने लूटी अस्मत, दरिंदगी से शर्मसार युवती ने लगाई आग; जल गई जिंदा

कासगंज के गंजडुंडवारा थाना क्षेत्र के एक गांव के ही चार युवकों ने युवती से दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। युवकों ने युवती के साथ मारपीट भी की। जिससे क्षुब्ध होकर युवती ने शुक्रवार की रात अपने ही घर में डीजल डालकर खुद को आग लगा ली। परिजन उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। गांव के ही चार युवक पिता से रंजिश मानते थे, इसी की सजा बेटी को मिली। आरोपियों ने रास्ते में युवती को पकड़कर उसके साथ दुष्कर्म किया। दरिंदे यहीं नहीं रुके, इसके बाद युवती के साथ मारपीट भी की। इस घटना से शर्मसार युवती ने आग लगाकर खुद की जान दे दी। पिता से चल रही थी रंजिश- बताया गया कि युवती के पिता की गांव के ही बलुआ, टिंकू, कल्लू और पांडा से रंजिश चल रही है। इस रंजिश में पूर्व में भी विवाद हो चुका है। कुछ दिन पूर्व युवती के पिता ने एक एफआईआर आरोपियों के खिलाफ मारपीट की धाराओं में दर्ज कराई थी, लेकिन इसके बाद भी आरोपियों के हौंसले बुलंद थे। आरोपियों ने युवती को छह जून की शाम को अकेला देखकर पकड़ लिया।

उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर भी मन नहीं भरा तो उसे बुरी तरह से पीटा। रात में खुद को लगा ली आग -इसके बाद युवती घर आ गई। उसने किसी से इस बात का जिक्र भी नहीं किया, लेकिन रात में उसने खुद को आग लगा ली। ये देख परिवारीजनों के होश उड़ गए। युवती को गंभीर जली अवस्था में लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिवार के लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। जांच में जुटी पुलिस - सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की गई। पुलिस ने युवती के शव के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। एसपी सुबह के समय युवती के पिता व परिजनों से मिले। पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। युवती के पिता की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है मुकदमा हुआ दर्ज -एसपी सौरभ दीक्षित ने बताया कि युवती ने शुक्रवार की रात को डीजल डालकर स्वयं को आग लगा ली। परिजनों ने गांव के ही चार लोगों के खिलाफ दुष्कर्म और आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस पूरी जांच पड़ताल कर रही है। विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मायावती की कार्यकर्ताओं से अपील, तन, मन और धन से समर्पित होकर लड़ें लोकसभा चुनाव 2024

बसपा सुप्रीमो मायावती ने शनिवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से लोकसभा चुनाव 2024 में जुटने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा सरकार पर भी निशाना साधा। बसपा सुप्रीमो मायावती ने शनिवार को चंडीगढ़, हरियाणा और पंजाब के राज्य व जिला स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर इन राज्यों के राजनीतिक हालात और संबंधित घटनाक्रमों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से तन, मन और धन से लगकर 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने की अपील की है। मायावती ने कहा कि हरियाणा में भाजपा गठबंधन सरकार में मतभेद व आपसी विवाद से वहां की जनता में राजनीतिक अस्थिरता व चुनावी वादाखिलाफी की ज्यादा चर्चा है। ऐसे में संभव है कि वहां विधानसभा चुनाव समय से पहले या फिर लोकसभा चुनाव के साथ ही करा दिए जाएं।

इसलिए बसपा के कार्यकर्ता पूरी तैयारी रखें। मायावती ने कहा कि भाजपा की सरकारें लोगों की समस्याएं दूर न कर पाने से हताशा की शिकार हैं। इसलिए अब वो जातिवादी, विभाजनकारी और सांप्रदायिक नीतियों को गति प्रदान कर रही हैं। यही कारण है कि समान नागरिक संहिता को देश के लोगों पर जबरदस्ती थोपने की तैयारी है।

उन्होंने कहा कि अगर भाजपा सरकार यूसीसी जैसे गैर जरूरी काम पर सरकार की शक्ति व संसाधन खर्च करने बजाय महंगाई पर अंकुश लगाने के साथ ही गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा व स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर काम करे तो सही मायने में ये देश हित में होगा।

09 से 21 जुलाई तक सुदृढ़ीकरण के लिये ओड़गी से नवाटोला सड़क मार्ग के बांक घाट मार्ग में आवागमन रहेगा बाधित

रामचंद्र जायसवाल

क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर -08 से 21 जुलाई तक सुदृढ़ीकरण के लिये ओड़गी से नवाटोला सड़क मार्ग के बांक घाट मार्ग में आवागमन रहेगा बाधित - जिला प्रशासन की जनमानस से अपील सुरक्षा के दृष्टिकोण से वाहन चालक व राहगीर करें वैकल्पिक मार्ग का उपयोग प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, परियोजना क्रियान्वयन ईकाई सूरजपुर जिले के प्रस्ताव अनुसार ओड़गी से नवाटोला मार्ग के बांक घाट के कुछ टर्निंग में सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जाना प्रस्तावित है। जिसके लिए इस मार्ग पर आवागमन पर रोक लगाया जाना आवश्यक है।अतः इस सुदृढ़ीकरण के कार्य के लिये 08 जुलाई से 21 जुलाई तक ओड़गी से नवाटोला सड़क मार्ग के बांक घाट मार्ग में आवागमन पर सुरक्षात्मक दृष्टि से रोक लगाया गया है। इसलिए उपरोक्त सड़क के प्रतिबंधित अवधि में जिला प्रशासन ने इस मार्ग से आवागमन करने वाले वाहन चालक राहगीर व समस्त जनमानस से वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की अपील की है।

ज्योति की राह पर सविता: पति ने कर्ज लेकर पढ़ाया, नौकरी मिलते ही कहा- तुम काले हो...हमारा स्टेट्स नहीं मिलता

उत्तर प्रदेश में कानपुर देहात में भी प्रयागराज के आलोक मौर्या और ज्योति मौर्या जैसा मामले सामने आया है। इसमें भी शादी, नौकरी, बेवफाई और फिर धमकी वाले हालात देखने को मिल रहे हैं। पत्नी की लगन देख उसे पढ़ा-लिखा कर काबिल बनाने का सपना देखने वाला पति आज दर-दर की ठोकर खाने को मजबूर है। पीड़ित अर्जुन ने बताया का वह पत्नी को पढ़ाने की ललक में कर्ज में डूब गया और तकलीफ भरी जिंदगी गुजार रहा है। उन्होंने बताया जो मेरे साथ हुआ है, उसके बाद कोई भी व्यक्ति शादी के बाद अपनी पत्नी को नहीं पढ़ाएगा। पति, पत्नी की पढ़ाई में लिए गए कर्ज की भरपाई मजदूरी से करने को मजबूर है। इसके चलते परिवार परेशान है और आस लगाए बैठा है कि किसी तरह बेटे का परिवार पहले की तरह हरा-भरा हो जाए। साथ ही, बहु घर वापस आ जाए। बता दें कि प्रयागराज के आलोक मौर्या के बाद अब कानपुर देहात के अर्जुन सिंह का नाम भी जुड़ गया है। जानकारी के अनुसार, कानपुर देहात के तहसील मैथा क्षेत्र के रविन्द्र पुरम गांव के रहने वाले अर्जुन की शादी 2017 में बस्ती जिले की रहने वाली सविता मौर्या से हुई थी। शादी के बाद सविता मौर्या में पढ़ाई की लगन देख अर्जुन ने सविता को पढ़ा लिखा कर काबिल बनाने का फैसला किया। अर्जुन को शक होने पर पत्नी को वापस बुलाया- नर्सिंग कराने के लिए सविता का दाखिला मंधना में बने रामा कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरा मेडिकल साइंस में करा दिया। साथ ही, खुद मजदूरी कर पैसों को इकट्ठा करने लगा। पढ़ाई पूरी होने के बाद सबसे पहले उसे दिल्ली में नौकरी मिली। सविता की नौकरी चल ही रही थी कि अर्जुन को कुछ शक हुआ। अचानक बदलने लगे थे तेवर और मिजाज- इसके बाद अर्जुन ने सविता को वापस बुला लिया और फिर तमाम कोशिशों के बाद सविता को कानपुर देहात के रसूलाबाद के नारखुर्द में बने स्वास्थ्य केंद्र में लगवाया। यहां उसे अच्छी खासी पेमेंट मिलने लगी। अब सविता के तेवर और मिजाज बदलने लगे। अर्जुन ने आरोप लगाते हुए बताया कि सविता उससे दूरी बनाने लगी। पत्नी बोली- हमारा तुम्हारा स्टेट्स मेल नहीं करता- वो कहने लगी तुम काले हो हमारा तुम्हारा स्टेट्स मेल नहीं करता है। इसके बाद विवाद शुरू हो गया। अर्जुन ने न्याय की गुहार लगाना शुरू किया, जिससे बिगड़े हालात सुधर सकें। कर्ज में डूबे अर्जुन अभी भी पढ़ाई में के दौरान लिए गए कर्ज का भर रहा है और घर पर पैसा मांगने पहुंचते है। कोई भी व्यक्ति अपनी पत्नी को नहीं पढ़ाएगा- वह पत्नी को पढ़ाने की ललक में कर्ज में डूब गया

शातिर युवकों को एसपी बन कर पीड़ित को धमकाना महंगा पड़ा

हारून बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद -फर्रुखाबाद खबर का हुआ जबरदस्त असर शातिर युवकों को एसपी बन कर पीड़ित को धमकाना महंगा पड़ा फतेहगढ़ पुलिस ने चार युवकों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा किया दर्ज पुलिस ने छापेमारी कर तीन युवकों को हिरासत में लिया दर्ज कराएं गए मुकदमें में JNV रोड निवासी उपेंद्र सिंह ने कहा कि एक जुलाई को नेकपुर चौरासी निवासी मोहित कटियार का आया था फोन पीड़ित के अनुसार मोहित कटियार ने जमकर की अभद्रता व पीछे से गाली गलौज करने वाले युवक की पहचान अवनीश कुमार के तौर पर की उसी कॉल पर एक व्यक्ति एसपी फतेहगढ़ विकास कुमार बनकर पीड़ित को धमकाने लगा पीड़ित ने जिसकी पहचान विनय कटियार व उसी बातचीत के बीच जय हिंद कहने वाले युवक की पहचान गौरव कटियार के तौर पर की कोतवाली फतेहगढ़ पुलिस ने चारों शातिर युवकों के खिलाफ धारा - 420, 416, 504, 506, 66C में दर्ज किया मुकदमा सीओ सिटी प्रदीप सिंह ने पूरे घटनाक्रम पर जारी किया अधिकारीरिक बयान कोतवाली फतेहगढ़ क्षेत्र के जेएनवी रोड का मामला

पत्नी का किलर हिरासत में पकड़े गए चोर जेई का तबादला पुलिस चेकपोस्ट का उद्घाटन

हारून बख्श
क्यूँ न लिखूँ सच

फर्रुखाबाद -कोतवाली फतेहगढ़ के सिद्धार्थनगर नवदिया निवासी जितेंद्र सिंह पर पत्नी शोभा को मार डालने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है थाना नवाबगंज के ग्राम रायपुर नाहर सिंह की पुत्री शोभा का वर्ष 2013 में जितेंद्र सिंह से विवाह हुआ था शोभा को कम दहेज के कारण प्रताड़ित किया गया पुत्र पैदा होने व तबीयत खराब होने पर भी ससुराल में नहीं रहने दिया गया शोभा 2 साल तक मायके कभी भी जितेन्द्र शोभा को बुलाने नही गए परिजन बुलाते रहे नरसिंह ने जितेंद्र पर कानूनी कार्रवाई की 2 साल के बाद कोर्ट के आदेश पर जितेंद्र शोभा के साथ किराये के मकान में रहने लगे। जितेंद्र सिंह आए दिन शोभा को धमकाते थे। पुलिस ने जितेन सिंह को हिरासत में लेकर महिला का पोस्टमार्टम कराया तीन चोर गिरफ्तार कोतवाली फर्रुखाबाद पुलिस ने मोहल्ला गढी अब्दुल मजीद खां निवासी मोअज्जम पुत्र नुशरत एवं आदित्य कठेरिया पुत्र रमेश चंद को दूल्हे शाह

की मजार के पास गिरफ्तार किया है जिनके पास चोरी का प्रेशर कुकर एलईडी सेटअप बॉक्स गैस चूल्हा सिलेंडर मोटरसाइकिल तमंचा बरामद हुआ है

पुलिस ने थाना मऊदरवाजा हैबतपुर गढ़िया काशीराम कॉलोनी ब्लॉक नंबर 32 निवासी सुमित पुत्र राजू को डीपी बीपी ग्राउंड के निकट चोरी का मोबाइल सहित गिरफ्तार किया है 2 बैटरी चोर गिरफ्तार थाना जहानगंज पुलिस ने जनपद फिरोजाबाद थाना जसराना के ग्राम सलेमपुर निवासी शिवम उर्फ विनीत कुमार उर्फ शिवा एवं थाना उत्तर निवासी भूपेंद्र उर्फ़ बिट्टू को चोरी की चार बैटरी सहित भरतामऊ चौराहे से गिरफ्तार किया है विवादित जेई का तबादला विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियंता विवेक अस्थाना ने जसमई सबस्टेशन के जेई हरि ओम का सलेमपुर राजेपुर सब स्टेशन के लिए तबादला कर दिया है। सलेमपुर राजेपुर के जेई अब्दुल मजीद की जसमई सब स्टेशन में तैनाती की गई है चेकपोस्ट का उद्घाटन पुलिस अधीक्षक विकास कुमार ने आज सायं थाना जहानगंज क्षेत्र में काली नदी पुल पर नवनिर्मित चेक पोस्ट का उद्घाटन किया एसपी ने वृक्षारोपण कर सभी को वृक्षारोपण करने हेतु प्रेरित किया

पिलखना में मां बेटी को पीटने के आरोप में दो के खिलाफ रिपोर्ट

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अकराबाद- कस्बा पिलखना में कुछ दवंगो ने बच्चों के झगड़े को लेकर मां बेटी को मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़िता ने कोतवाली पहुंच कर दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट लिखाई है। कस्बा पिलखना निवासी सितारा पत्नी हनीफ खां ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि नवीहसन उर्फ लल्ला ड्राइवर, चंदा पत्नी नूरा बच्चों बच्चों के झगड़े को लेकर उसे गाली गलौज कर रहे थे। जब गालियों का विरोध किया तो इन लोगों ने गाली गलौज करते हुए लाठी-डंडों से मारपीट कर दी। शोरगुल सुन बेटी तरन्नुम उसे बचाने आई तो उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से चले गए घटना के संबंध में कोतवाल एमपी सिंह ने बताया है कि पीड़िता की तहरीर पर डाक्टरी परीक्षण कराकर दो लोगों नवीहसन उर्फ लल्ला व चंदा निवासी पिलखना के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

लधौआ में लाखों की जमीन को राजस्व व पुलिस टीम ने कराया कब्जा मुक्त

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अकराबाद - ग्राम पंचायत लधौआ में सरकारी जमीन पर कब्जा किए बैठे लोगों से राजस्व विभाग की टीम ने पुलिस के सहयोग से कब्जा मुक्त कराया है। ग्राम प्रधान संध्या मानवेंद्र सिंह ने बताया है कि ग्राम सभा की सरकारी भूमि पर कुछ लोगों ने अबैध रुप से कब्जा कर रखा था। जिससे सरकारी योजना को संचालित करने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जिसके चलते काफी दिनों से पानी की टंकी, आरआरसी सेंटर, मनरेगा पार्क, आदि योजनाएं संचालित नहीं हो पा रही थीं। राजस्व निरीक्षक नरेश बाबू ने बताया है कि डीएम के आदेश पर टीम गठित कर गाटा संख्या 735365 जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया है। उन्होंने बताया शेष गाटा संख्याओं पर किए अबैध कब्जे को भी हटवाया जायेगा। इस दौरान हलका इंचार्ज दुलीचंद यादव, पंचायत सचिव आरती सिंह मौके पर रहे।

शातिर युवकों को एसपी बन कर पीड़ित को धमकाना महंगा पड़ा

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- चल रहे आजादी का अमृत महोत्सव की भावना में, सीटी यूनिवर्सिटी के छात्र कल्याण विभाग ने राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सहयोग से सीटी यूनिवर्सिटी में एक भव्य ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया। एकता और देशभक्ति को बढ़ावा देने की संस्था की प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर। समारोह का मुख्य आकर्षण 25 मीटर के शानदार झंडे की स्थापना थी,जो इस क्षेत्र के सबसे बड़े झंडे में से एक है, जो सीटी यूनिवर्सिटी में गर्व से ऊंचा खड़ा है। यह स्मारकीय ध्वज हमारे महान राष्ट्र के प्रति हमारे गहरे प्रेम और अटूट भक्ति का प्रतीक है। सम्मानित अतिथि 3 पीबी बीएन एनसीसी लुधियाना के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल नरेश कुमार, सम्मानित मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित हुए। अपनी टिप्पणी में, कर्नल नरेश कुमार ने इस आयोजन के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा, 卐सीटी विश्वविद्यालय में इस तरह के भव्य ध्वजारोहण समारोह को देखकर मैं वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूं। एनसीसी, एनएसएस कैडेटों के साथ-साथ छात्रों द्वारा दिखाया गया समर्पण और उत्साह फाउंडेशन क्लास सराहनीय है। यह झंडा एकता और ताकत के प्रतीक के रूप में कार्य करता है, जो हमें हमारे राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारी की याद दिलाता है। चांसलर चरणजीत सिंह चन्नी ने भी इस ऐतिहासिक अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, 卐सीटी यूनिवर्सिटी इस महत्वपूर्ण ध्वजारोहण समारोह की मेजबानी करने में बहुत गर्व महसूस करती है। एकता और देशभक्ति के मूल्यों को बनाए रखने के लिए हमारे छात्रों की सक्रिय भागीदारी और समर्पण वास्तव में प्रेरणादायक है। यह ध्वज यह हमारे समाज में सकारात्मक योगदान देने वाले जिम्मेदार नागरिकों को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।卐 इस अवसर पर चांसलर चरणजीत सिंह चन्नी, वाइस चेयरमैन हरप्रीत सिंह, प्रो वाइस चांसलर (कार्यवाहक) अभिषेक त्रिपाठी, निदेशक योजना एवं विकास डॉ. अति प्रिये, उप निदेशक, छात्र कल्याण विभाग दविंदर सिंह, डीन अकादमिक डॉ. अवधेश कुमार गुप्ता, स्कूलों के प्रमुख, संकाय सदस्य और छात्र उपस्थित थे।

सावन के पहले सोमवार को यादव बंधु निभाएंगे वर्षों पुरानी परंपरा, मात्र 21 लोगों को जलाभिषेक की अनुमति

10 जुलाई को सावन के पहले सोमवार पर 21 यादव बंधुओं को बाबा विश्वनाथ के गर्भगृह में प्रवेश कर जलाभिषेक की अनुमति दी गई है। चंद्रवंशी गोप समिति के साथ तीन दौर की वार्ता के बाद पुलिस और मंदिर प्रशासन ने यह निर्णय लिया है। शिव की नगरी काशी में सावन के पहले सोमवार को जगत कल्याण के लिए यादव बंधुओं द्वारा सालों से दिलचस्प परंपरा को निभाया जा रहा है। इस बार सावन के पहले सोमवार को 21 यादव बंधुओं को बाबा विश्वनाथ के गर्भगृह में प्रवेश करके जलाभिषेक की अनुमति दी गई है। इसके अलावा बाकी यदुवंशी समाज के लोग बाहर से ही जलाभिषेक करेंगे।चंद्रवंशी गोप समिति के साथ तीन दौर की वार्ता के बाद पुलिस और मंदिर प्रशासन ने यह निर्णय लिया है।

समिति के अध्यक्ष लालजी यादव ने बताया कि वर्षों से चली आ रही परंपरा को यादव समाज निभाएगा। 10 जुलाई को पहले सोमवार पर इस बार भक्तों की भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन व मंदिर प्रशासन ने 21 यदुवंशी समाज के लोगों को गर्भगृह में जलाभिषेक की अनुमति दी है।इन मार्गों से गुजरेगी जलाभिषेक यात्रा- हम लोगों की जलाभिषेक यात्रा गौरी केदारेश्वर, तिलभांडेश्वर, शीतला मंदिर होते हुए श्री काशी विश्वनाथ धाम में गंगा द्वार से प्रवेश करेगी। जो पुरानी परंपरा चली आ रही है हम उसका निर्वहन करेंगे, हम ना तो किसी प्रकार की नई परंपरा शुरू करेंगे ना ही अपनी पुरानी परंपरा को छोड़ेंगे।जो मार्ग रहा है हम उसी मार्ग से जलाभिषेक करेंगे। मंदिर प्रशासन का पूरा सहयोग किया जाएगा। आम श्रद्धालुओं की सुविधा का ध्यान रखते हुए हम लोगों ने 21 लोगों के ही गर्भगृह में प्रवेश को स्वीकार कर लिया है। बताते चलें कि नंगे पैर कंधे पर गंगा जल का मटका लिए यदुवंशियों का रेला लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र होता है। यादव समाज का पीतल ध्वज और डमरू बजाते युवकों के दल को देख रास्ते भर हर-हर महादेव का उद्घोष होता रहता है। अनुमति नहीं मिली तो यदुवंशी मंदिर में देंगे धरना- वाराणसी। गोवर्धन पूजा समिति के पदाधिकारियों ने 21 लोगों के गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति पर रोष जताया है। शनिवार को गोवर्धनधाम राजघाट पर बैठक में 10 जुलाई को होने वाले पारंपरिक सावन के जलाभिषेक की तैयारियों पर चर्चा हुई। अध्यक्ष विनोद यादव और महामंत्री पारस यादव ने बताया कि जलाभिषेक में शामिल होने के लिए देश भर से यादव बंधु बनारस आते हैं। ऐसे में केवल 21 लोगों को गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति देना ठीक नहीं है। हमारी परंपरा कई वर्षों से चली आ रही है। पिछले साल भी व्यवस्था के नाम पर जिला प्रशासन ने सभी यदुवंशियों को गर्भगृह मे जाने से रोक दिया था। मौके पर सारे यदुवंशियों ने जब विरोध किया तब गर्भगृह में प्रवेश कर जलाभिषेक करने दिया गया। अगर व्यवस्था के नाम पर हमारी परंपरा को रोका गया तो सारा यदुवंशी समाज वहीं धरना देने के लिए विवश होगा। इसकी सारी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

पिलखना में मां बेटी को पीटने के आरोप में दो के खिलाफ रिपोर्ट

लवकुश ठाकुर-क्यूँ न लिखूँ सच

अकराबाद - कस्बा पिलखना में कुछ दवंगो ने बच्चों के झगड़े को लेकर मां बेटी को मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़िता ने कोतवाली पहुंच कर दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट लिखाई है। कस्बा पिलखना निवासी सितारा पत्नी हनीफ खां ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि नवीहसन उर्फ लल्ला ड्राइवर, चंदा पत्नी नूरा बच्चों बच्चों के झगड़े को लेकर उसे गाली गलौज कर रहे थे। जब गालियों का विरोध किया तो इन लोगों ने गाली गलौज करते हुए लाठी-डंडों से मारपीट कर दी। शोरगुल सुन बेटी तरन्नुम उसे बचाने आई तो उसे भी मारपीट कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से चले गए घटना के संबंध में कोतवाल एमपी सिंह ने बताया है कि पीड़िता की तहरीर पर डाक्टरी परीक्षण कराकर दो लोगों नवीहसन उर्फ लल्ला व चंदा निवासी पिलखना के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

विशेष सरसरी शुद्धि 2024 के संबंध में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा दिया गया प्रशिक्षण

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशों के अनुसार, निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों/ सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों/बूथ लेवल अधिकारियों को विशेष पाठ्यक्रम सुधार 2024 पर जोर देने के साथ-साथ चुनावी पंजीकरण से संबंधित सभी कानूनों और दिशानिर्देशों पर जोर दिया गया।

नवीनतम आईटी के साथ एप्लिकेशन और सिस्टम जानकारी शामिल है। यह प्रशिक्षण कल जिला स्तर पर स्थानीय बचत भवन में तैनात एस.एल.एम.टी. अंकुर महेंद्रू, पीसीएस, निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र 061-लुधियाना दक्षिण-सह-संयुक्त आयुक्त, लुधियाना नगर निगम को समूह ईआरओजे/एईआरओजे-2 के लिए रखा गया था। जिला लुधियाना के आठ एसएलएमटी ने इससे पहले 23 और 24 जून को दिल्ली में डिवीजन स्तर के पटियाला में यह प्रशिक्षण प्राप्त किया था।

मछली पालन विभाग की ओर से 10 जुलाई को राष्ट्रीय मछली पालक दिवस मनाया जायेगा

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- निदेशक एवं वार्डन मछली पालन विभाग, पंजाब जसबीर सिंह के दिशा-निर्देशानुसार विभाग द्वारा 10 जुलाई 2023 को राष्ट्रीय मछुआरा दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। समारोह में अतिरिक्त उपायुक्त (ग्रामीण विकास), लुधियाना संदीप कुमार, आई.ए.एस. मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। सहायक निदेशक मछली पालन, लुधियाना दलबीर सिंह ने कहा कि समारोह सरकारी मछली पुंग फार्म, मोही में आयोजित किया जाना है जिसे राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड के सहयोग से राष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित किया जाना है । उन्होंने आगे बताया कि इस कार्यक्रम को मनाने के लिए लुधियाना को विशेष रूप से चुना गया है, जिसमें लुधियाना, जालंधर, कपूरथला, मोगा और फिरोजपुर जिलों के अधिकारी और उद्यमी मछली किसान भाग लेंगे। उन्होंने जिले के सभी मछली पालकों से इस आयोजन में अधिक से अधिक भाग लेने की अपील की ।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com
09 July 2023

जिलाधिकारी ने प्राथमिक एवं उच्च विद्यालय औरैया निधान का किया आकस्मिक निरीक्षण

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती -जिलाधिकारी कृतिका शर्मा ने विकासखण्ड गिलौला के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय औरैया निधान का आकस्मिक निरीक्षण कर जायजा लिया। इस दौरान जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय में अध्यापकों की उपस्थिति एवं नामांकन के सापेक्ष छात्र-छात्राओं की उपस्थिति की जांच कर प्रधानाध्यापक को निर्देश दिया कि पंजीकृत छात्र-छात्राओं की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं को दी जा रही शिक्षा की गुणवत्ता की भी जांच किया। उन्होने छात्र-छात्राओं से गणित, अंग्रेजी एवं अन्य विषय से सम्बन्धित प्रश्न भी पूछे तथा सही उत्तर देने पर जिलाधिकारी ने उनकी पीठ भी थप-थपायी। इस दौरान जिलाधिकारी ने मध्यान्ह भोजन की भी जानकारी ली और रसोई घर में जाकर देखा तो ज्ञात हुआ कि आज मीनू के अनुसार भोजन में तहरी सोयाबीन था, लेकिन तहरी में सोयाबीन मिश्रित न पाये जाने पर जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान को निर्देश दिया कि विद्यालय में छात्र-छात्राओं को मीनू के अनुसार मध्यान्ह भोजन अनिवार्य रूप से मुहैया कराया जाए। पुनः निरीक्षण करने पर यदि कमी पायी गयी तो निश्चित ही कार्यवाही की जाएगी। उन्होने कहा कि सरकार परिषदीय विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को स्वस्थ्य रखने के लिए गुणवत्तायुक्त मीनू के अनुसार भोजन मुहैया कराया जा रहा है। इसलिए परिषदीय विद्यालयों के प्रधानाध्यापक एवं ग्राम प्रधान आपस में सामन्जस्य बनाकर बच्चों को प्रत्येक दशा में मीनू के अनुसार मध्यान्ह भोजन मुहैया करायें। इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने विद्यालय परिसर में किचन, पेयजल, साफ-सफाई, शौचालय आदि व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण कर जायजा लिया और सभी व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरूस्त करने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी ने पीपल का पौधा लगाकर वृहद पौधरोपण का दिलाया संकल्प

प्रेमचंद जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती -''वन महोत्सव'' कार्यक्रम के अन्तर्गत वृहद पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत इंडियन रेडक्रास सोसायटी द्वारा पौधरोपण अभियान में सहयोग करते हुए जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र के बगल में मौलश्री वाटिका में पौधरोपण किया गया। जिसकी शुरूआत जिलाधिकारी कृतिका शर्मा, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अमरेन्द्र कुमार वर्मा एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमिता सिंह ने ''हरिशंकरी'' पौधों का पौधरोपण कर लोगों को वृहद पौधरोपण का संकल्प दिलाया। इस दौरान जिलाधिकारी ने 'पीपल', अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) ने 'बरगद' एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने 'पाकड़' का पौधरोपण किया तथा लोगों को अधिक से अधिक पौधरोपण हेतु प्रेरित भी किया। जिलाधिकारी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार वर्ष 2023-24 में 35 करोड़ पौध रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसमें जनपद हेतु 41,37,100 पौध रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के लिए प्रकृति के अनुपम उपहार हैं। अनियंत्रित जलवायु, आपदा व प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए पौधरोपण अत्यन्त आवश्यक है। पौधरोपण से ही पर्यावरण में आ रही गिरावट को रोका जा सकेगा और जन-जन को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। वृक्ष हमारे लिए कई प्रकार से लाभदायक होते हैं। इनसे अनेक प्रकार की सुविधाएं मिलती है तथा जल संचयन में भी सहायक होते हैं। हमारे वन पेड़-पौधे ही नहीं अपितु अनेकों उपयोगी जीव-जंतुओं व औषधियों का भंडार हैं। इससे गिर रहे जलस्तर को भी रोका जा सकेगा। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी डी0एन0 सिंह, उपसभापति विभाकर शुक्ल, कोषाध्यक्ष रवि कुमार मिश्र, सदस्य प्रबन्ध समिति सोहन लाल मिश्र, पवनेश शुक्ला, पवन शुक्ला, प्रमोद सिंह, वामिक सउद, अरविन्द पाठक सहित अन्य पदाधिकारी एवं अधिकारीगण/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

मानसून की पहली बारिश ने नगर निगम के पानी की निकासी को लेकर तैयारीयों के दावे की पोल खोली-गरचा

सत पाल सोनी-क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना - मानसून की पहली बारिश ने लुधियाना नगर निगम की तैयारीयों के बड़े बड़े दावों की पोल खोल कर रख दी है, बारिश के कारण सड़कों पर पानी ही पानी है, जिसके कारण कई इलाकों में घरों में पानी भर गया लोगों का घरेलू सामान खराब हो गया है जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ है। शिरोमणि अकाली दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुखविंदरपाल सिंह गरचा ने बातचीत करते हुए कहा कि नगर निगम की मानसून को लेकर कोई तैयारी ना होने से ऐसे हालत बने, बारिश के कारण कई सड़कें खराब हो गई हैं। गरचा ने कहा कि नगर निगम को चाहिए कि बारिशों को देखते हुए पानी की निकासी के लिये सीवरेज की सफ़ाई को युद्धस्तर पर करवायें।

ग्राम पंचायत लक्ष्मणपुर गंगापुर में सफाई कर्मचारी ना आने से गांव में लगा गंदगी का अंबार

लंकीन प्रसाद वर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

श्रावस्ती -श्रावस्ती विकासखंड जमुनहा के अंतर्गत ग्राम पंचायत लक्ष्मणपुर गंगापुर मात्र 2 किलोमीटर ब्लॉक मुख्यालय से दूरी होनी के बावजूद भी उस गांव में तैनात सफाई कर्मी कभी दिखाई नहीं देते सफाई कर्मी न अने से गांव की नलिया भर गई हैं और गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है और कचरी भी पड़ा हुआ है जिससे गंदगी बरसात में कचरा सरकर गंदगी बन जाता है जिससे संक्रामक रोग फैलने की आशंका है ग्रामीणों ने सफाई कर्मी के विरुद्ध खंड विकास अधिकारी जमुनहा व सहायक विकास अधिकारी जमुनहा से कार्यवाही की मांग किया है ।

श्री गुरु अर्जन देव जी और माता गंगा जी की शादी की सालगिरह को समर्पित रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- माता गंगा जी की जन्मस्थली फिल्लौर के गांव माओ स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा माओ साहिब में श्री गुरु अर्जन देव जी और माता गंगा जी की शादी की सालगिरह को समर्पित वार्षिक जोड़ मेले के अवसर पर मुख्य सेवादार जत्थेदार तरनजीत सिंह निमाणा के नेतृत्व में भाई घनैईया जी मिशन सेवा सोसायटी (रजि:) द्वारा 647वां महान रक्तदान शिविर गुरुद्वारा साहिब प्रबंधक कंवलजीत सिंह कपूरथला के सहयोग से आयोजित किया गया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर का उद्घाटन करते हुए बाबा निर्मल सिंह कार सेवा वालो ने विवाह के अवसर पर मानवता की भलाई के लिए जत्थेदार तरनजीत सिंह निमाना के मुख्य सेवादार भाई घनैईया जी मिशन सेवा सोसाइटी (रजि:) और सहयोगियों द्वारा आयोजित महान रक्तदान शिविर की सराहना की। रक्तदान शिविर के माध्यम से कई अनमोल मानव जीवन को बचाया जा सकता है। मरीजों की जान बचाने के लिए स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए।इस मौके पर बाबा निर्मल सिंह और बाबा गुलजार सिंह ने रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया । इस अवसर पर जत्थेदार तरनजीत सिंह निमाणा ने कहा कि रक्तदान शिविर के दौरान रघुनाथ अस्पताल के सहयोग से एकत्रित 40 रक्त यूनिट रक्त जरूरतमंद मरीजों को बिना किसी कीमत के दिया जाएगा। इस मौके पर भाई गुरभाग सिंह सब इंचार्ज ऑफिस श्री आनंदपुर साहिब, मैनेजर सुखदेव सिंह, इंस्पेक्टर जगतार सिंह आहली, अंग्रेज सिंह संधू, अमरीक सिंह फिल्लौर, जगतार सिंह यूएसए, इंदरजीत सिंह, सुखदेव सिंह, गुरशरण सिंह, अमृतपाल सिंह, गिरदौर सिंह, अशोक कुमार भाना उपस्थित थे।

कोंच कोतवाली मे आये नये एस एस आई उदय सिंह

पवन कुमार
क्यूँ न लिखूँ सच

कोंच(जालौन) -सुरई चौकी मे आये लाइन से इंचार्ज दिनेश कुमार गोपनीय ऑफिस से अश्वनी कुमार खेड़ा चौकी के नये प्रभारी बने तेज तर्रार दरोगा धीरेंद्र पटेरिया को मंडी चौकी की कमान जनपद के तेजतर्रार पुलिस अधीक्षक डा ईराज राजा ने जनपद मे बड़े पैमाने पर दरोगाओ के तबादले किये है जिनमे कोंच कोतवाली के अधीन तीन पुलिस चौकियों मे नये चौकी प्रभारी बनाकर भेजे है और एसएसआई के रिक्त चल रहे पद पर भी पोस्टिंग भी कर दी है कानून व्यवस्था को अच्छादित बनाये जाने को लेकर पुलिस अधीक्षक ने तबादला एक्सप्रेस चलाई है जिनमे कोंच कोतवाली के एसएस आई पद पर पुलिस लाइन उरई से दरोगा उदय प्रताप को नियुक्त किया है

इस एसएसआई के पद पर तेनात् रहे दरोगा लाल बहादुर यादव का तबादला जीआरपी कानपुर हो गया था जिससे यह पद रिक्त चल रहा था वही कोतवाली की सुरई चौकी मे अब नये प्रभारी के रूप मे पुलिस लाइन उरई से दरोगा दिनेश कुमार को भेजा है और यहाँ अब तक अच्छा कार्य करते आ रहे प्रभारी शिव शंकर सिंह को हटाते हुए उन्हे पड़ोसी थाने नदीगांव मे भेज दिया है कोतवाली की सबसे संवेदनशील पुलिस चौकी खेड़ा मे नये चौकी प्रभारी के पद पर गोपनीय कार्यालय मे तेनात दरोगा अश्वनी कुमार को पोस्ट किया है कोतवाली की एक अन्य महत्वपूर्ण मंडी चौकी मे नये इंचार्ज के पद पर तेज तर्रार दरोगा धीरेंद्र पटेरिया जो जगनपुरा थाना केलिया मे पदस्थ थे उनको जगनपुरा चौकी से हटाकर मंडी चौकी का प्रभारी बनाया है मंडी चौकी मे अच्छा कार्य कर रहे दरोगा सुनील कुमार सैनी की अस्वस्थता के चलते खुद हट गए थे और वह अपना इलाज करा रहे है फिलहाल नये चौकी प्रभारी और एस एस आई ने अभी कार्यकाज नही संभाला है माना जा रहा है एकाध दिन मे कार्यभार संभाल लेंगे

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
बिना किसी सिक्यूरिटी के
डेली अखबार आवश्यकता है
सभी जिलो में ब्यूरो, स्थानीय रिपोर्टर, विज्ञापन प्रतिनिधि की
24x7 KNLS लाइव
क्यूँ न लिखूं सच 9027776991
KNLS LIVE न्यूज चैनल और दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच ज्वाइन कीजिये
* वेलकम किट लेना अनिवार्य है

ट्रिपल मर्डर के मामले को लुधियाना पुलिस ने 12 घँटे के बीच सुलझाया , पड़ोसी निकला आरोपी

सत पाल सोनी-क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- न्यू जनकपुरी में चमन लाल ,उनकी पत्नी सुरिंदर कौर व उनकी माँ की हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने साइंटफिक तरीके से इस ब्लाइंड मर्डर केस को हल कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस कमिश्नर मनदीप सिंह सिद्धू ने बताया कि आरोपी रोबिन उर्फ मुन्ना है जिसने केवल इसलिए हत्या कांड को अंजाम दिया कि उसके कोई औलाद नहीं थी और मृतका सुरिंदर कौर उसे इसके बारे में अक्सर पूछती व उपाय करने के लिये कह देती थी। इससे उसके मन में शर्मिंदगी के अलावा रंजिश के भाव बन गए। हत्या वाले दिन आरोपी वहां पहुंच गया और नहाकर निकली सुरिंदर कौर पर हथोड़े से वार कर दिए जिसके बाद नींद खुलने पर चमन लाल की हत्या कर दी। बाहर निकलते मां द्वारा देख लिए जाने पर उसे भी मौत के घाट उतार दिया। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि सबूत मिटाने व हादसा करार देने के मकसद से गैस सिलेंडर की पाइप लीक कर दी और कमरे में अगरबत्ती जला दी, जिससे आग लग जाये व उस पर शक न जाये। आरोपी चोरी दिखाने के मकसद से एक कैमरा, ब्रीफकेस व मोबाइल भी उठा ले गया। जो कि वारदात में प्रयुक्त हथोड़े सहित बरामद कर लिया। सीपी ने बताया कि इस केस को हल करने में पुलिस की टीम के प्रयास के अलावा मुहल्ले वालों का भी पूरा सहयोग रहा। पुलिस ने इस केस में सभी पर शक की सुई रखते हुए पूछताछ व जांच की।सीसीटीवी में मृतक महिला के एक बार दिखाई देने व बाद में घर जाने के बाद दूध वाले व अन्य आगन्तुकों के आने और दरवाजा न खोले जाने पर पुलिस को यह अंदेशा हो गया था कि हत्यारा कोई जानकर ही है। घर की कुंडी भी अंदर से बंद थी, जांच में जब रोबिन को काबू किया तो उसने हत्या का कारण महिला के औलाद न होने के तंज से परेशान व रंजिश होना का खुलासा किया। पुलिस ने कहा कि उसका कोई रोल नही है। पुलिस ने मुहले वाले लोगों की अच्छाई के बारे जिक्र करते हुए अपील की कि कोई भी आरोपी की पत्नि के साथ बुरा बर्ताव न करे क्योंकि इसमें उसका कोई कसूर नही है।

जमीनी विवाद में कांग्रेसी नेता ने भाजपा कार्यकर्ता की हत्या..लाठी डंडे से वार कर मौत के घाट उतारा

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच

सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर थाना क्षेत्र के अवन्तिकापुर में खेत जोताई के विवाद पर जमकर लाठी डंडा चला जिससे भाजपा कार्यकर्ता की मौत हो गई है. घटना 3 जून ग्राम अवंतिकापुर का है. जब हरी प्रसाद अपने हक काबिज की भूमि पर जोताई कर रहा था तो उसी दौरान क्षेत्र का कांग्रेसी नेता जगरनाथ सोनी सपरिवार दोस्तो के साथ लाठी डंडे से लैस पहुँच गया और खेत की जोताई कर रहे हरिप्रसाद व उसके परिजनों पर हमला कर दिया. जिससे हरिप्रसाद सहित उसके आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल हरिप्रसाद को मध्यप्रदेश के बैढ़न स्थित जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है जहाँ स्थिति नाजुक होने पर बनारस ले जाया गया जहाँ उपचार के दौरान मौत हो गई. आज गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार किया गया. पूरे मामले में चाँदनी पुलिस का पक्षपात पूर्ण कार्यवाही देखने को मिला. पुलिस ने घायल राजकुमार सोनी पिता हरिप्रसाद सोनी की रिपोर्ट पर पुलिस ने मनीषा प्रसाद सोनी समेत उसके पुत्र जगन्नाथ सोनी, बैजनाथ सोनी, सुनील सोनी के अलावा मनिजर प्रसाद की पत्नी आशा देवी एवं जगन्नाथ सोनी की पत्नी अरुणा सोनी के विरुद्ध धारा 147, 148, 149, 294, 307, 323, 506 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है। वहीं घटना में घायल दूसरे पक्ष के जगन्नाथ सोनी की रिपोर्ट पर हरी प्रसाद सोनी, राजकुमार सोनी, सावित्री सोनी, छोटकी, आदेश सोनी, राम बहादुर, आदेश सोनी की पत्नी, राम बहादुर की पत्नी के अलावा कालमी सोनी, रूपनी, राजेंद्र सोनी एवं शंकर सोनी के विरुद्ध भी उक्त धाराओं के तहत पूरे परिवार पर अपराध दर्ज करवाया है. ग्रामीणों ने नाराजगीॅ कांग्रेसी नेता की गुंडागर्दी मारपीट कर भाजपा कार्यकर्ता को मौत के घाट उतारने के मामले में ग्रामीणों में जमकर नाराजगी देखी जा रही है तो वही पुलिस की दोहरी चरित्र को लेकर भी असंतोष देखी जा रही है. अगर न्याय संगत कार्यवाही नही हुई तो उग्र प्रदर्शन एक बार फिर से देखा जा सकता है।

West Indies team announced for first Test against India, star all-rounder dropped

The Cricket West Indies (CWI) selection panel has announced a 13-man squad for the first Test against India starting July 12 at Windsor Park in Dominica. Kraigg Brathwaite will captain the West Indies team at the start of the new World Test Championship cycle (2023-25). Two players will debut-Two left-handed batsmen, Alyque Athanaz and Kirk McKenzie,

will make their debut for the West Indies team in the first Test against India. The former player has so far played 30 First Class (FC) matches, scoring 1,825 runs including two hundreds. McKenzie, on the other hand, has nine FC games in which he has scored 591 runs including a century. Athanaz and McKenzie recently scored 220 and 209 for the West Indies A team during the three-match unofficial Test series against Bangladesh away from home. West Indies-A won the series 1–0. This all-rounder returns - All-rounder Rahkeem Cornwall is returning for the first time since his last Test in November 2021. He has taken 34 wickets in nine Tests so far. It is worth remembering that Cornwall made his debut in India's last Test series in the West Indies in 2019. Returning to the team later. However, another left arm spinner Gudakesh Moti was not available for selection due to injury. He is currently undergoing rehab. Apart from this, Jaden Seals and Kyle Mayers also failed to make a place due to rehab and minor problems. West Indies team against India - Kraigg Brathwaite (captain), Jermaine Blackwood (vice-captain), Alyque Athanazhe, Tagenarin Chanderpaul, Rahkeem Cornwall , Joshua Da Silva, Shannon Gabriel, Jason Holder, Alzarri Joseph, Kirk McKenzie, Ramon Reifer, Kemar Roach, Jomel Warrican.

Netherlands created history without big players, had left the team in greed of money

The team went into the tournament without their top five bowlers Fred Klaasen, Paal van Meekeren, Colin Ackermann, Roolf van den Merwe and Brendan Glover. In the T20 World Cup played in Australia last year, it was on the strength of these players that the Netherlands defeated South Africa. Shane Snater and Tim van der Guten also refused to play in the qualifiers for the World Cup. No one expected this result from a Netherlands team that beat Scotland in a World Cup qualifier to make it to the ODI World Cup. Everyone believed that if this team qualifies for the Super-6 also, it would be a big deal. The major reason for this was that the team entered the tournament without its top five bowlers Fred Klaasen, Paul van Meekeren, Colin Ackermann, Roelof van den Merwe and Brendan Glover. In the T20 World Cup played in Australia last year, it was on the strength of these players that the Netherlands defeated South Africa. Apart from this, Shane Sneater and Tim van der Guten also refused to play in the qualifiers World Cup. Big players chose county cricket - In fact, all these players had decided to play county cricket instead of international cricket for money. . On giving priority to playing county cricket, Wayne Meekren said that it was very easy for me. At the end of the day one question I asked myself is who will pay my bills? Wayne Meekren plays county cricket for Gloucestershire and this year is the last year of his contract and his performance in the Blast will determine whether he gets a contract for 2024. Had I been forced to play for the national team, I would have retired from Netherlands cricket. In the absence of big players, the Netherlands had to practically field a whole new team in the World Cup qualifiers, but this team has not only impressed Won everyone's heart, but also earned a ticket to play in the ODI World Cup for the fifth time." Defeated a strong team like the West Indies – Netherlands won their next three matches after losing the first match against Zimbabwe to book a Super-6 ticket. The team defeated the West Indies in a Super Over in their last league match. After defeating Oman in the Super-6, the match against Scotland was no less than a final for the team. Scotland scored 277 runs for nine wickets in 50 overs. The target of 278 runs was achieved in 44 overs to make the Netherlands a place in the ODI World Cup, but this team made it possible in 42.5 overs.

There was a field fight between Jonny Bairstow and Steve Smith, Kangaroo batsman showing anger; video viral

On the second day of the third Test, England's first innings was reduced to 237 runs and Australia started their second innings. After Warner's early dismissal, Steve Smith, playing his 100th Test match, came out to bat on the middle ground. He was batting on a personal score of 2 when Ben Duckett was caught by Moeen Ali. The fire of controversy that started in the Lord's Test between England and Australia has also reached Headingley. On the second

day of the third Test, there was a scuffle between Bairstow and Steve Smith. Kangaroo batsman Smith was seen in anger on Bairstow's sled, whose video is going viral. In fact, on the second day of the third Test, England's first innings was reduced to 237 runs and Australia started their second innings. After Warner's early dismissal, Steve Smith, playing his 100th Test match on the middle ground, came out to bat. He was batting on a personal score of 2 when Ben Duckett was caught by Moeen Ali. Commented by Johnny Bairstow – As Smith started walking towards the pavilion after being dismissed, wicketkeeper Johnny Bairstow commented. Which didn't go down well with Smith. In response to this, Steve Smith replied angrily. The video of this argument between the two has gone viral on social media. Smith was made fun of in the first innings- Let us tell you that in the first innings also there was an argument between the two. Bairstow was caught brilliantly by Steve Smith at slip in England's first innings. At that time also there was a scuffle between the two players. To avenge this, Bairstow sledged Smith. At the same time, the audience mocked Steve Smith when he was dismissed for a personal score of 33 in Australia's first innings. Controversy has started from the Lord's Test- Let us tell you that after the dispute between the two teams in the Lord's Test, there was a lot of heat. Is going Actually, Johnny Bairstow was given a controversial run out in the Lord's Test match. Since then a new debate had started among the cricket fans. At the same time, the Australian player was abused while going to the dressing room.

Sourav Ganguly's journey from 'Maharaja' to 'Dada', luck turned due to brother

Ganguly started playing left-handed instead of right-handed like his brother, while Ganguly used to do everything with his right hand since childhood. Sourav Ganguly, the current president of BCCI and former captain of Team India, is celebrating his 51st birthday today. . Ganguly, who hoisted the flag on the cricket field, was born on this day in 1972 to Chandidas and Nirupa Ganguly, his father had a print business and was one of the few influential families in Kolkata. Sourav was from a very affluent family from the beginning, but his father did not allow him to be proud of it. Sourav Ganguly, however, became famous as Dada in cricket and was one of the most successful captains of Indian cricket due to his leadership ability. However, it was not so easy for Ganguly to reach the cricket field. So let's take a look at the untold stories related to Sourav's childhood which played a major role in making him a cricketer. Left or right-handed batsman? Sourav got addicted to cricket in Kolkata city famous for football because of his elder brother Snehasish and that was the reason why he started playing left-handed instead of right-handed like his brother, while Ganguly used to do everything right-handed since childhood, but to practice with his brother and play like him, he changed his way of playing. Although Sourav aka Maharaj Sourav Ganguly is known by his fans all over the world as the grandfather of the Indian team, but because of being from a very affluent family, his father Chandidas used to call him by the name of Maharaja. Later, Sir Geoffrey Boycott, the legendary cricketer of England, honored him with the name of Prince of Kolkata. Cricketer brother Sourav Ganguly's elder brother Snehasish was a cricketer himself and played Ranji and first-class cricket for Bengal. Although he never played for the national team, but with his help Sourav started playing cricket and went on to play at the school and college level. Mother Dislikes Cricket Kolkata city famous for football and hailing from a big business family Sourav Ganguly's mother Nirupa Ganguly did not want her son to make any sport his profession. Because of this, he did not like Sourav to play cricket. Even Sourav's father Chandidas disliked cricket but he was allowed to play because of his elder brother. Childhood love Sourav Ganguly married his childhood love Donna Ganguly in 1997. Donna was a trained professional dancer and the two knew each other very well. Both later had a daughter named Sana. Road named after Sourav Sourav Ganguly's fame in Kolkata can be gauged from the fact that an apartment and a 1.5 kilometer long road in his hometown have been named after him. Became BCCI President and then dispute with Kohli After leaving cricket, Ganguly continued to do commentary and also performed his duties in the Cricket Association of Bengal. In October 2019, he was elected the President of BCCI. Then came the era of Corona and even then Ganguly's efforts to run cricket smoothly were appreciated. In 2020, IPL was conducted in UAE. However, after this, his dispute with Team India captain Virat Kohli came to the fore, when he was also removed from the ODI captaincy after Virat's decision to step down from T20 captaincy.

'The Kashmir Files' fame actress Bhasha Sumbly on nepotism, said- 'These stupid stars...

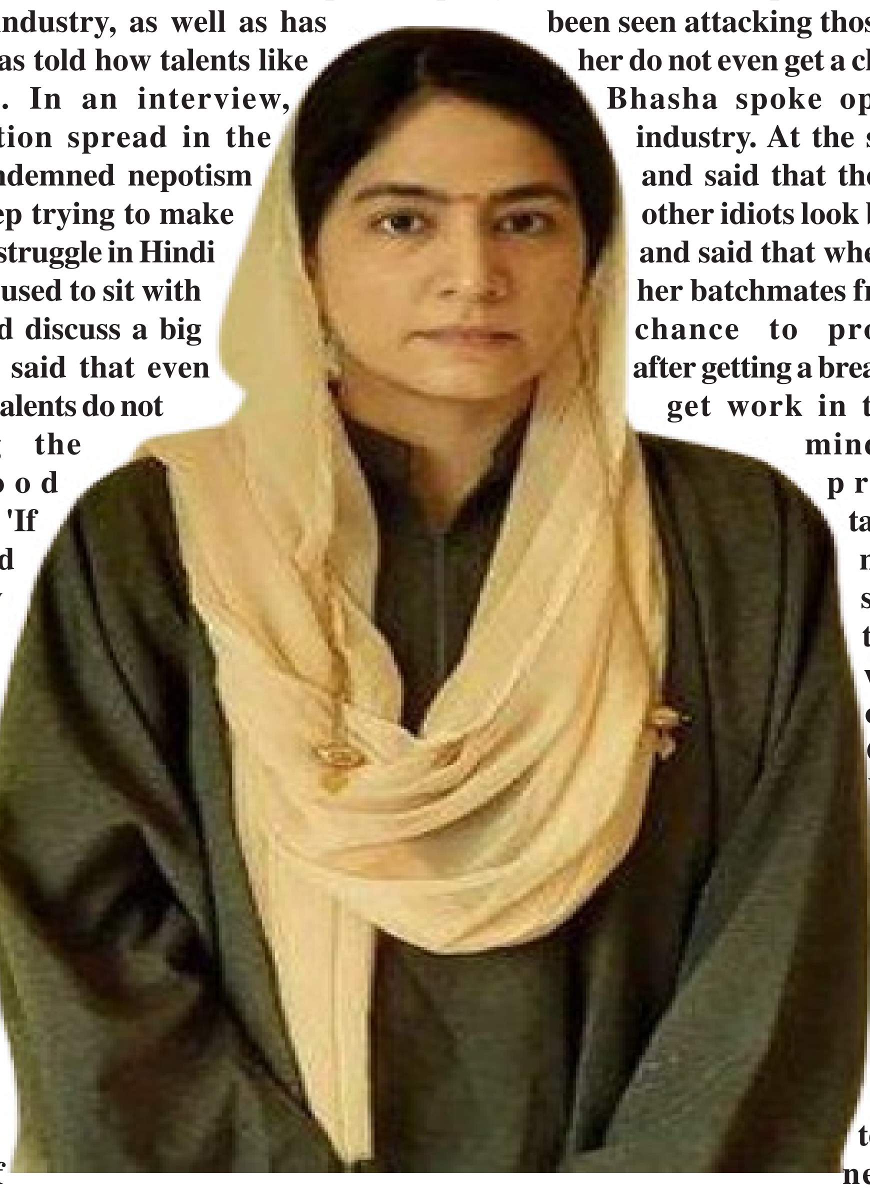

Actress Bhasha Sumbly, who was seen in the film 'The Kashmir Files', is in limelight for her recent statement. The actress has spoken openly on the issue of nepotism spread in the Bollywood industry, as well as has been seen attacking those who uphold it. Bhasha has told how talents like her do not even get a chance to prove themselves. In an interview, Bhasha spoke openly on the discrimination spread in the industry. At the same time, he strongly condemned nepotism and said that the idiots of the industry keep trying to make other idiots look better. Bhasha recalled her struggle in Hindi and said that when she was not in films, she used to sit with her batchmates from theater in Mumbai and discuss a big chance to prove herself. Continuing, said that even after getting a break and proving themselves, talents do not get work in the industry. Explaining the mindset of Bollywood producers, Bhasha said, 'If talent stays with this stupid majority, it will shine. So by singling them out, isolating them, not giving them work, and will drive them out of the industry. Our people look a little better in front of them, so we need stupid people to make our stupid people look better. 'Bhasha Sumbli further said that the audience gets to see some faces again and again. He termed it as an example of nepotism and said that this norm is the main reason why artistes lose faith in talent. The actress said, 'You feel that if these people only have to move forward, there is no room for real talent to emerge. If there is some space, they have to create that space, for example, Irrfan Khan.' In the film 'The Kashmir Files', Sumbly played Anupam Kher's daughter-in-law Sharda Pandit. The role is said to be based on the real life story of Girija Tikku. Directed by Vivek Agnihotri, the film stars Anupam Kher, Darshan Kumar, Mithun Chakraborty and Pallavi Joshi.

'I don't mind being called a clown, just come at check time', says Alia Bhatt on professional life

Alia Bhatt says that she is just focused towards her work and also expects good fees in return. Alia Bhatt is in constant headlines these days for her upcoming film 'Rocky Aur Rani Ki Prem Kahani'. Alia has given many hit films during her acting career. However, apart from his films, he made a lot of headlines for his general knowledge during his initial

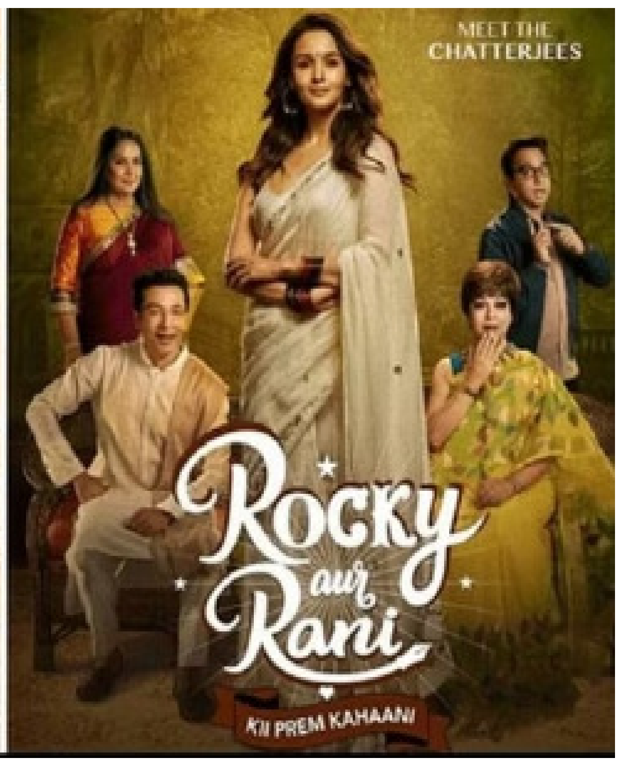

phase in the industry. She was often asked by people on social media whether she pretends to be stupid while answering questions. However, the actress does not seem to mind the trolling. She is just mindful of her work and also expects good fees in return. Alia was asked about this in a recent program whether she is comfortable being called a youth influencer? To this she replied that she has no problem with being called Joker, provided the check reaches on time. Talking about the acting career of the actress, she was last seen opposite Ranbir Kapoor in 'Brahmastra: Part One'. Was seen. Alia, on the other hand, is currently gearing up for the release of Karan Johar's upcoming directorial venture Rocky Aur Rani Ki Prem Kahani, in which she stars opposite Ranveer Singh. The film stars veteran actors like Jaya Bachchan, Dharmendra and Shabana Azmi in key roles. Recently, the makers released the film's first song 'Tum Kya Mile' and the trailer. Both received positive response from the audience. Alia recently also shared her experience of shooting for a romantic song post her pregnancy. 'Rocky Aur Rani Ki Prem Kahani' is slated to hit the theaters on July 28.

Can't watch such subjects sitting with family, Ameesha Patel said on the content available on OTT

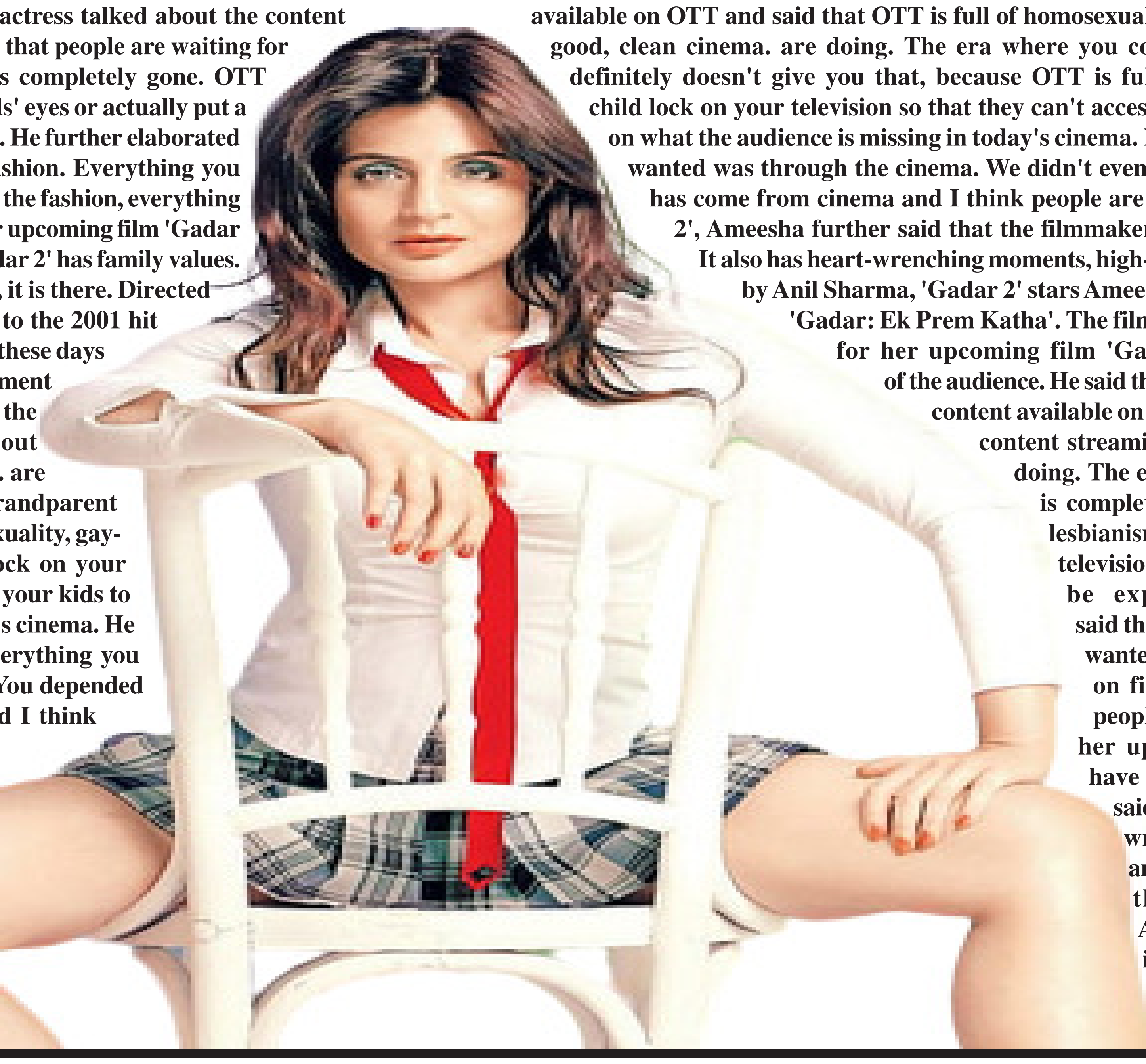

Ameesha Patel is in headlines these days for her upcoming film 'Gadar 2'. Now in a recent interview, Ameesha talked about the clean entertainment of the audience. He said that the audience now wants good entertainment. Also the actress talked about the content available on OTT and said that OTT is full of homosexuality. Ameesha Patel talked about content streaming on OTT platform and said that people are waiting for good, clean cinema. are doing. The era where you could make cinema that a grandchild could watch with their grandparent is completely gone. OTT definitely doesn't give you that, because OTT is full of homosexuality, gay-lesbianism. Scenes where you have to cover your kids' eyes or actually put a child lock on your television so that they can't access those platforms. It's not something you really want your kids to be exposed to. He further elaborated on what the audience is missing in today's cinema. He said that Indians could not travel that much. We didn't have that much fashion. Everything you wanted was through the cinema. We didn't even have an organized music industry. You depended on film music. The costumes, the fashion, everything has come from cinema and I think people are missing that essence. She believes that 'Gadar' is the answer. Talking about her upcoming film 'Gadar 2', Ameesha further said that the filmmakers have tried to retain the essence of the first film in 'Gadar 2'. He said that 'Gadar 2' has family values. It also has heart-wrenching moments, high-octane action, great music and dialogues, whatever you expect from 'Gadar 2', it is there. Directed by Anil Sharma, 'Gadar 2' stars Ameesha Patel, Sunny Deol and Utkarsh Sharma in lead roles. The film is a sequel to the 2001 hit 'Gadar: Ek Prem Katha'. The film is scheduled to release in theaters on August 11.Ameesha Patel is in headlines these days for her upcoming film 'Gadar 2'. Now in a recent interview, Ameesha talked about the clean entertainment of the audience. He said that the audience now wants good entertainment. Also the actress talked about the content available on OTT and said that OTT is full of homosexuality. Ameesha Patel talked about content streaming on OTT platform and said that people are waiting for good, clean cinema. are doing. The era where you could make cinema that a grandchild could watch with their grandparent is completely gone. OTT definitely doesn't give you that, because OTT is full of homosexuality, gay-lesbianism. Scenes where you have to cover your kids' eyes or actually put a child lock on your television so that they can't access those platforms. It's not something you really want your kids to be exposed to. He further elaborated on what the audience is missing in today's cinema. He said that Indians could not travel that much. We didn't have that much fashion. Everything you wanted was through the cinema. We didn't even have an organized music industry. You depended on film music. The costumes, the fashion, everything has come from cinema and I think people are missing that essence. She believes that 'Gadar' is the answer. Talking about her upcoming film 'Gadar 2', Ameesha further said that the filmmakers have tried to retain the essence of the first film in 'Gadar 2'. He said that 'Gadar 2' has family values. It also has heart-wrenching moments, high-octane action, great music and dialogues, whatever you expect from 'Gadar 2', it is there. Directed by Anil Sharma, 'Gadar 2' stars Ameesha Patel, Sunny Deol and Utkarsh Sharma in lead roles. The film is a sequel to the 2001 hit 'Gadar: Ek Prem Katha'. The film is scheduled to release in theaters on August 11.